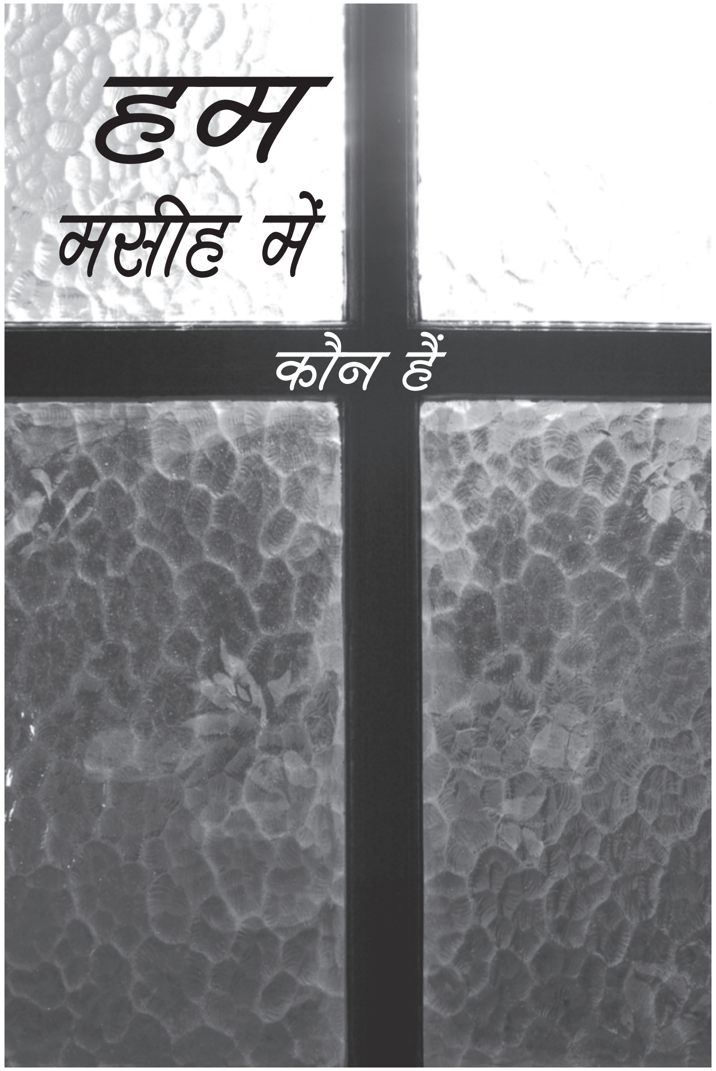

मसीह में हम कौन हैं यह समझना

आशीष रायचूर

हम मसीह में कौन हैं

आशीष रायचूर

आप मसीह में जो हैं, वही आप वास्तव में हैं! आप मसीह में हैं और इस प्रकार आप उसके साथ उसकी महिमा और उसके मीरास के भागी होते हैं। इस पुस्तक का अध्ययन करें और मसीह में अपनी सच्ची पहचान और मीरास क्या है जान लें।

आशीष रायचूर

All Peoples Church & World Outreach
319, 2nd Floor, 7th Main, HRBR Layout,
2nd Block, Kalyan Nagar, Bangalore 560 043
Karnataka, INDIA

Phone: +91-80-25452617
Email: contact@apcwo.org
Website: apcwo.org

केवल विनामूल्य वितरण के लिए

ऑल पीपल्स चर्च अँड वर्ल्ड आउटरीच, बैंगलोर, भारत द्वारा मुद्रित और वितरित।
प्रथम संस्करण : मुद्रित, मई 2012

सम्पर्क

All Peoples Church & World Outreach,
319, 2nd Floor, 7th Main, HRBR Layout,
2nd Block, Kalyan Nagar, Bangalore 560 043
Karnataka, INDIA
Phone: +91-80-25452617
Email: bookrequest@apcwo.org
Website: **apcwo.org**

अन्यथा सूचित न हो तो, सभी पवित्र शास्त्र उद्धरण पवित्र बाइबल, बाइबल सोसायटी इंडिया संस्करण से लिया जाता है। सर्व हक्क स्वाधीन।
बाइबल परिभाषाएं, इब्रानी और ग्रीक शब्द तथा उनके अर्थ निम्नलिखित स्रोतों से लिए गए हैं :

Thayer's Greek Definitions. Published in 1886, 1889; public domain.
Strong's Hebrew and Greek Dictionaries, Strong's Exhaustive Concordance by James Strong, T.D., LL.D. Published in 1890; public domain.
Vine's Complete Expository Dictionary of Old and New Testament Words, © 1984, 1996, Thomas Nelson, Inc., Nashville, TN.

आर्थिक साझेदारी

इस पुस्तक का विनामूल्य वितरण ऑल पीपल्स चर्च के सदस्यों, सहभागियों और मित्रों की आर्थिक सहायता की वजह से सम्भव हुआ है। यदि आपने इस विनामूल्य प्रकाशन के माध्यम से आशीष पाई है, तो हम आपको ऑल पीपल्स चर्च के विनामूल्य प्रकाशनों के मुद्रण और वितरण में सहायता के लिए आर्थिक रूप से योगदान देने हेतु आमंत्रित करते हैं। कृपया **apcwo.org/give** पर जाएं या अपना योगदान कैसे करें यह देखने हेतु इस पुस्तक के पीछे "ऑल पीपल्स चर्च के साथ प्रतिभागिता" पृष्ठ देखें। धन्यवाद!

डाक सूची

यदि आप हमारी नई पुस्तके पाने के लिए अपना नाम हमारी डाक सूची में चाहते हैं, तो कृपया ईमेल द्वारा अपना सही पता हमें भेजें : **contact@apcwo.org**

भारत में विनामूल्य बल्क ऑर्डर

आपकी स्थानीय कलीसिया में, बायबल अध्ययन समूह, बाइबल कॉलेज, सेमिनारों, सभाओं, पुस्तकालयों, व्यापार केन्द्रों में वितरण हेतू हम आनंद के साथ हमारी पुस्तकें विनामूल्य भेजना चाहते हैं। कृपया ईमेल द्वारा पुस्तकों की संख्या और पाने वालों के पते भेजें : bookrequest@apcwo.org

(Hindi book - Who we are in Christ)

ऑल पीपल्स चर्च
बाइबल कॉलेज और सेवा प्रशिक्षण केंद्र

ऑल पीपल्स चर्च बाइबल कॉलेज और सेवा प्रशिक्षण केंद्र (एपीसी–बीसी) भारत के बैंगलोर में आत्मा से परिपूर्ण, अभिषिक्त, सक्रिय सेवकाई में सहभागी प्रशिक्षण और सिद्धांत की दृष्टि से सही एवं परमेश्वर के वचन के बौद्धिक दृष्टि से प्रेरणादायक अध्ययन के साथ पवित्र आत्मा की अलौकिक सामर्थ में सेवकाई के लिए तैयारी प्रदान करता है। हम सेवकाई के लिए सम्पूर्ण व्यक्तित्व के विकास में विश्वास करते हैं और ईश्वरीय चरित्र, परमेश्वर के वचन में गहरी बुनियाद, और चिन्ह, चमत्कारों और आश्चर्यकर्मों पर ज़ोर देते हैं – सब कुछ प्रभु के साथ निकट रिश्ते से प्रवाहित होता हुआ।

एपीसी–बीसी में सही शिक्षा के अतिरिक्त, हम प्रत्यक्ष रूप से परमेश्वर के प्रेम, पवित्र आत्मा का अभिषेक और उपस्थिति और परमेश्वर के अलौकिक कार्य पर बल देते हैं। कई युवा स्त्री और पुरुषों ने प्रशिक्षण पाया है और उनके जीवनों में परमेश्वर की बुलाहट को पूरा करने हेतु उन्हें बाहर भेजा गया है।

निम्नलिखित तीन पदवियां दी जाती हैं :

Theology and Christian Ministry (C.Th.) में एक वर्षीय प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
Theology and Christian Ministry (Dip.Th.) में दो वर्षीय प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
Bachelor in Theology and Christian Ministry (B.Th.) में तीन वर्षीय प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

हर सप्ताह के दिन, सोमवार से शुक्रवार तक सुबह 9 से दोपहर 1 बजे तक कक्षाएं ली जाती हैं, विद्यार्थी, नौकरीपेशा लोग, और गृहिणियां सभी इन कक्षाओं में भाग ले सकते हैं और 1 बजे के बाद अपने काम पर जा सकते हैं। वहीं रहने की इच्छा रखने वाले स्त्रियों और पुरुषों के लिए अलग–अलग हॉस्टेल सुविधाएं हैं। विद्यार्थी हर सप्ताह दो से पांच बजे तक क्षेत्रीय कार्य, विशेष सेमिनारों में, दोपहर के समय में प्रार्थना और आराधना में समय व्यतीत करते हैं। दोपहर की सभाएं घर से आने वाले विद्यार्थियों के लिए वैकल्पिक हैं। सभी विद्यार्थियों को प्रोत्साहन दिया जाता है कि वे सप्ताह के अंत में एक या उससे अधिक स्थानीय कलीसियाओं में सेवा करें।

कॉलेज, विभिन्न कार्यक्रमों, पाठ्यक्रमों के विषय में अधिक जानकारी के लिए, और आवेदन पत्र डाऊनलोड करने के लिए कृपया इस साईट को भेंट दें : apcwo.org/biblecollege

एपीसी–बीसी को द नैशनल एसोसिएशन फॉर थियोलॉजिकल एक्रेडिटेशन (नाटा) द्वारा मान्यता प्राप्त है।

हम मसीह में कौन हैं

विषय सूची

1. मसीह के साथ हमारी एकात्मता को समझना 1

1.1 हम मसीह में हैं 1

1.2 हम मसीह में कैसे आते हैं 2

1.3 मसीह में होने का क्या अर्थ है 3

1.4 मसीह में हमारे होने के परिणाम 5

1.4.1 एक नई पहचान 5

1.5 यह सत्य आपके जीवन को कैसे बदल सकता है 5

1.5.1 वह आपकी छवि को बदल देगा 5

1.5.2 उसके द्वारा आप परमेश्वर के किस तरह व्यवहार करते हैं, इसमें बदलाव आएगा 6

1.5.3 जीवन की चुनौतियों और कठिनाइयों का सामना करने के आपके तरीके में इसके द्वारा बदलाव आएगा 6

1.5.4 वह आपकी जीवनशैली को बदल देगा 6

1.5.5 दुष्टात्माओं और दुष्टात्माओं की सामर्थ से मुकाबला करने का आपका तरीका बदल जाएगा 6

1.5.6 लोगों के साथ व्यवहार करने का आपका तरीका बदल जाएगा 6

2. नई सृष्टि 8

2.1 हम पहले जो नहीं थे, बन जाते हैं 8

2.2 हम अपनी आत्मा में नई सृष्टि बन गए – हमारे मन या शरीर में नही 9

2.3 जो नई सृष्टि हम बने हैं, वह परमेश्वर के स्वरूप और समानता में हैं 10

2.3.1. हमारा 'आत्मिक मनुष्य' परमेश्वर की समानता में बनाया गया है इसके अर्थ 11
2.4 हम में बसने वाला यह नया मनुष्य, ज्ञान में नया बनने पाए 12
2.5 पुरानी बातें बीत गईं 12
3. धर्मी ठहराया गया और धर्मी बनाया गया 14
3.1 अनुग्रह के द्वारा धर्मी ठहराए गए 14
3.2 विश्वास के द्वारा धर्मी ठहराए गए 15
3.3 विश्वास द्वारा धर्मी ठहरे 17
4. पवित्र किया गया 20
4.1 आप मसीह में अलग किए गए हैं 21
4.2 पवित्र लोग या संत पवित्र किए गए हैं 21
4.3 पवित्र किया जाना – वर्तमान निरंतर प्रक्रिया 22
5. आशीषित, सम्पन्न और जयवंत बनाया गया 26
5.1 आशीषित किए गए 26
5.2 धनी किए गए 27
5.3 जयवंत 27
6. मसीह के साथ एक : क्रूस पर चढ़ाया गया, दफनाया गया, जीवित किया गया, जिलाया गया, स्वर्गीय स्थानों में बैठाया गया 29
6.1 मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाए गए – पाप का शरीर नाश किया गया 32
6.2 मसीह के साथ दफनाए गए – पिछले जीवन स अलग किए गए 33
6.3 मसीह के साथ मरे हुओं में से जिलाए गए – नया जीवन प्रदान किया गया 34

	6.4	मसीह के साथ स्वर्गीय स्थानों में बैठाए गए – वर्तमान युग/संसार से अलग किए गए	34
	6.5	मसीह के साथ स्वर्गीय स्थानों में गए – राज्य करने हेतु ठहराए गए प्रदान किया गया	35
7.	**छुड़ाया गया, मुक्त किया गया**		**36**
	7.1	हमने किस बात से छुटकारा पाया है?	38
		7.1.1. अंधकार के राज्य से	38
		7.1.2. व्यवस्था के श्राप से छुटकारा	38
		7.1.3. हर अधर्म के काम से	38
		7.1.4. वर्तमान बुरे संसार से	39
		7.1.5. मृत्यु के भय से	39
		7.1.6. हमारे पुरखाओं से चलते आए चालचलन से	39
	7.2	परमेश्वर के साथ मेलमिलाप में लौटाया	39
	7.3	मसीह हमारा छुटकारा	40
8.	**स्वतंत्र किया गया**		**41**
	8.1	व्यवस्था के बंधन से छुटकारा	41
	8.2	निर्बल और निकम्मी से छुटकारा	42
	8.3	मनुष्यों द्वारा बनाए गए नियमों और कल्पनाओं से छुटकारा	42
	8.4	अपनी स्वतंत्रता में स्थिर रहें	43
	8.5	अपनी स्वतंत्रता का गलत उपयोग न करें	43
	8.6	अपनी स्वतंत्रता का बुद्धिमानी से उपयोग करें	44
9.	**उनकी देह के अंग**		**47**
	9.1	उनकी देह में एक	47
	9.2	कोई भेद नहीं	47
	9.3	परस्पर निर्भर	48

9.4 हम सामुहिक रूप से मसीह के प्रतिनिधि हैं 50
9.5 परमेश्वर का निवास स्थान बनने के लिए एक साथ बनाए गए 51
9.6 स्थानीय कलीसियाएं मसीह में हैं
10. उनमें हमारी मिरास 52
10.1 परमेश्वर की संतान. 52
10.2 परमेश्वर की प्रतिज्ञा 52
10.3 मसीह के साथ संगी वारिस 53
10.4 मसीह में परमेश्वर का प्रेम 54
10.5 आत्मा की छाप लगी है 54
10.6 मसीह में सुरक्षित 55
10.7 उनमें दृढ़ किए गए 55
10.8 सनातन योजना का भाग 56
10.9 परमेश्वर का ज्ञान 56
10.10 परमेश्वर की भरपूरी 56
10.11 सारी प्रतिज्ञाओं के लिए हां 58
10.12 अब अन्धापन नहीं 58
10.13 मसीह में सीधाई 59
10.14 अब्राहम' की वाचा के वारिस 60
10.15 सामर्थ देने वाला अनुग्रह 60
10.16 पुन्रुत्थान 61
11. 'मसीह में' वाला जीवन जीना **62**
11.1 उनमें चलें 63
11.2 उनमें जड़ पकडें 66
11.3 उनमें बढ़ें 66

11.4 उनमें बने रहें 67

11.4.1 जब हम मसीह में बने रहते हैं, तब कुछ आचरण के विशेष गुण प्रकट होंगे 68

11.5 उस हर एक भली बात का अंगीकार करें जो आपने उनमें पाई है 69

मसीह में मेरा चित्र **70**

1
मसीह के साथ हमारी एकात्मता को समझना

1.1 हम मसीह में हैं

यूहन्ना 14:19,20

[19]और थोड़ी देर रह गई है कि फिर संसार मुझे न देखेगा, परन्तु तुम मुझे देखोगे; इसलिए कि मैं जीवित हूं, तुम भी जीवित रहोगे। [20]उस दिन तुम जानोगे कि मैं अपने पिता में हूं, और तुम मुझ में, और मैं तुममें।

प्रभु यीशु ने बताया है कि ऐसा समय आएगा जब उनके शिष्य उनके साथ उनकी एकता के विषय में प्रकाशन प्राप्त करेंगे। परमेश्वर ने प्रेरित पौलुस तथा अन्य लोगों के द्वारा, जिन्होंने नए नियम का लेखन किया, इन में से अधिकतर बातें कलीसिया पर प्रगट की हैं। सारी पत्रियों में 'हम मसीह में कौन हैं' इसका प्रकाशन हम देखते हैं।

यूहन्ना 15:1–5

[1]सच्ची दाखलता मैं हूं; और मेरा पिता किसान है। [2]जो डाली मुझ में है, और नहीं फलती, उसे वह काट डालता है, और जो फलती है, उसे वह छांटता है ताकि फले। [3]तुम तो उस वचन के कारण जो मैंने तुमसे कहा है, शुद्ध हो। [4]तुम मुझ में बने रहो, और मैं तुममें; जैसे डाली यदि दाखलता में बनी न रहे, तो अपने आप से नहीं फल सकती, वैसे ही तुम भी यदि मुझ में बने न रहो तो नहीं फल सकते। [5]मैं दाखलता हूं, तुम डालियां हो; जो मुझ में बना रहता है, और मैं उसमें, वह बहुत फल फलता है, क्योंकि मुझ से अलग होकर तुम कुछ भी नहीं कर सकते।

यीशु ने अपने लोगों के साथ स्वयं के रिश्ते को समझाने के लिए दाखलता और उसकी डालियों के उदाहरण का उपयोग किया।

- हम उनसे 'जुड़े 'हुए हैं।
- हम 'उनमें' जो है, हममें है।
- हम दाखलता का फल देने वाला हिस्सा हैं – हम मसीह के जीवन को प्रगट करते हैं।

2 कुरिन्थियों 5:17

इसलिए यदि कोई मसीह में है, तो वह नई सृष्टि है। पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो, वे सब नई हो गई।

नया कैनोस kainos (Gr.) = उपयोग न किया हुआ, ताजा, सार, स्वभाव और गुण की दृष्टि से नया

1.2 हम मसीह में कैसे आए?

1 कुरिन्थियों 1:30

परन्तु उसी की ओर से तुम मसीह यीशु में हो, जो परमेश्वर की ओर से हमारे लिए ज्ञान ठहरा अर्थात् धर्म, और पवित्रता, और छुटकारा।

इस वचन में ईश्वरीय पहल, ईश्वरीय कार्य है। यह सब कुछ परमेश्वर ने किया। हमने इसे अपने बलबूते पर कमाया नहीं; हम उसके लायक नहीं थे; हममें उस योग्य गुण नहीं थे। हमने उसकी योजना तक नहीं बनाई। परमेश्वर ने निर्णय लिया कि जो प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करेंगे, जो कि स्वर्ग की उद्धार के लिए एक मात्र योजना हैं, वे परमेश्वर के द्वारा मसीह यीशु में लाए जाएंगे। हम मसीह में हैं। यह वर्तमानकाल की वास्तविकता है। यह आत्मिक तथ्य है।

इफिसियों 2:10

क्योंकि हम उसके बनाए हुए हैं; और मसीह यीशु में उन भले कामों के लिए सृजे गए हैं जिन्हें परमेश्वर ने पहले से हमारे करने के लिए तैयार किया।

जब परमेश्वर ने हमें मसीह में लाया, तब परमेश्वर की सृजनहार सामर्थ सक्रिय हो गई। और परमेश्वर की सृजनहार सामर्थ के द्वारा हम मसीह के साथ इस मिलन में एक किए गए।

- हम कुछ बन गए, जो पहले नहीं थे।
- जो अस्तित्व में नहीं था, अब अस्तित्व में आ गया।
- परमेश्वर ने 'पुराने मुझ को' लेकर मुझे मसीह में नहीं रखा, बल्कि, उसने मुझे नई सृष्टि बनाया और मुझे मसीह में रखा। जब मैं मसीह यीशु में आया, तब मैं नई सृष्टि बन गया – कुछ नया, कोई नया।

1 कुरिन्थियों 12:13

क्योंकि हम सब ने क्या यहूदी हो, क्या यूनानी, क्या दास, क्या स्वंतत्र, एक ही आत्मा के द्वारा एक देह होने के लिए बपतिस्मा लिया, और हम सब को एक ही आत्मा पिलाया गया।

जब हम "नया जन्म" पाते हैं, तब हम आत्मा से जन्म लेते हैं। यीशु ने उत्तर दिया, मैं तुझ से सच सच कहता हूं, जब तक कोई मनुष्य जल और आत्मा से न जन्मे, तब तक वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता (यूहन्ना 3:5)। हमारे नए जन्म के समय, पवित्र आत्मा ने हमें नया जीवन प्रदान किया – या हमें नई सृष्टि बनाया, और फिर हमें लेकर मसीह की देह में डुबो दिया अर्थात, हमारा मसीह के साथ मेल किया।

1.3 मसीह में होने का क्या अर्थ है?

1 कुरिन्थियों 6:17

और जो प्रभु की संगति में रहता है, वह उसके साथ एक आत्मा हो जाता है।

इसका अर्थ यह है कि मसीह के साथ हमारा मेल आत्मिक मेल है। हमारी आत्माएं उनके साथ जुड़ गई हैं। अतः मसीह के साथ हमारे मेल का परिणाम हमारी आत्मा से बाहर कार्य करेगा, और हमारे प्राण और शरीर को प्रभावित करेगा।

मसीह के साथ हमारे आत्मिक मिलन की तुलना स्त्री और पुरुष के भौतिक मिलन से की गई है (1 कुरिन्थियों 6:17)। स्त्री और पुरुष के मिलन का अर्थ यह नहीं है कि उनमें से किसी एक का अस्तित्व खत्म हो गया, या किसी तरह वे अपने व्यक्तित्व को खो बैठे। बल्कि सही अर्थ से, उनके मिलन या संयोग का उदाहरण इस तरह दिया जा सकता है :

- उनका एक ही नाम होता है, इसलिए वे एक दूसरे के प्रतिनिधि हैं।
- उनके जीवन बिताने में – जो फैसले वे लेते हैं, जिन बातों को वे हासिल करते हैं, आदि में एकात्मकता या तालमेल है।
- वे आपस में अपने लक्ष्य, उद्देश्य और भावनाओं को बांटते हैं – जिस बात का असर एक पर होता है, उसी का असर दूसरे पर भी होता है।
- उनमें आपसी संवर्धन होता है – एक की निर्बलता दूसरे व्यक्ति के बल में 'खो जाती है।'
- जो एक का होता है, वह दूसरे का भी होता है – वे संगी वारीस होते हैं।
- दोनों के मध्य गहरी संगति, आत्मीयता और सहभागिता होती है, जिसे उनके अलावा और कोई नहीं जानता।

इनमें से हर एक बात प्रभु यीशु के साथ हमारे मिलन या संयोग की विशेषता है और उसे परिभाषित करता है – आत्मा में उनके साथ हमारा एक होना।

1.4 मसीह में हमारे होने के परिणाम

1.4.1 एक नई पहचान

2 कुरिन्थियों 5:17

इसलिए यदि कोई मसीह में है, तो वह नई सृष्टि है। पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो, वे सब नई हो गई।

(अ) एक समय हम पापी थे, परंतु अब हम मसीह में पवित्र संत हैं।

(ब) एक समय हम अपराधी थे, परंतु अब हम धर्मी ठहराए गए हैं।

(क) एक समय हम अधर्मी थे, परंतु अब हम मसीह में परमेश्वर की ध ार्मिकता बन गए हैं।

(ड) हम पहले आत्मिक रीति से जैसे थे, वैसे अब नहीं हैं।

और इससे बहुत अधिक... (इस पुस्तिका के आने वाले भागों में इन बातों का हम विस्तारपूर्वक अध्ययन करेंगे।)

इसका मतलब यह है कि हमें अपनी छवि बदलने की ज़रूरत है – अर्थात जिस तरह हम सोचते हैं और खुद के विषय में बोलते हैं, उसे बदलना होगा। हमें खुद के विषय में उसी तरह सोचना है और उसी तरह बोलना है, जिस तरह परमेश्वर हमें मसीह में देखते हैं – बजाए इसके कि पहले हम जिस तरह खुद को देखने के अभ्यस्त थे, या जिस तरह दूसरे हमारी ओर देखते थे।

1.5 यह सत्य आपके जीवन को कैसे बदल सकता है?

1.5.1. वह आपकी छवि को बदल देगा

आप मसीह में जो हैं, वही आप वास्तव में हैं। अपनी छवि और अपने व्यक्तिगत मूल्य को अपनी उपलब्धियों पर आधारित न करें, आपके विषय में अन्य लोग जो कुछ कहते हैं उस पर आधारित न करें, परंतु आप मसीह में कौन हैं इस सरल सत्य पर आधारित करें।

1.5.2. उसके द्वारा आप परमेश्वर के साथ किस तरह व्यवहार करते हैं, इस में बदलाव आएगा

परमेश्वर के साथ आपका व्यवहार करना, परमेश्वर के साथ आपकी प्रतिदिन की संगति, परमेश्वर की उपस्थिति में आपका प्रवेश आपके कामों पर निर्भर नहीं है। आप मसीह में कौन हैं इस पर वह निर्भर है।

1.5.3. जीवन की चुनौतियों और कठिनाइयों का सामना करने के आपके तरीके में इसके द्वारा बदलाव आएगा

मसीह आपमें हैं, और आप उनमें हैं और आप विजयी होंगे। आप और परमेश्वर बहुमत हैं।

1.5.4. वह आपकी जीवनशैली को बदल देगा

यह आपके जीवन में पाप पर विजय पाने में आपकी सहायता करेगा। ''और तुम पर पाप की प्रभुता न होगी, क्योंकि तुम व्यवस्था के आधीन नहीं, वरन् अनुग्रह के आधीन हो'' (रोमियों 6:14)। अब से आगे पाप आप पर प्रभुता नहीं करेगा। आपको पाप के बंधन में रहने की ज़रूरत नहीं है।

1.5.5. दुष्टात्माओं और दुष्टात्माओं की सामर्थ से मुकाबला करने का आपका तरीका बदल जाएगा

जब आप जानेंगे कि आप मसीह में कौन हैं, तब आप दृढ़ विश्वास के साथ दुष्टात्माओं और दुष्टात्माओं की शक्तियों का मुकाबला करेंगे।

1.5.6. लोगों के साथ व्यवहार करने का आपका तरीका बदल जाएगा

जब आप दूसरे व्यक्ति की ओर देखते हैं, तो भले ही वह व्यक्ति स्वाभाविक तौर पर महान न हो, परंतु यदि वह मसीह में है, तो वह भाई है। आप उसकी शिक्षा या गुणों के आधार पर उसके साथ व्यवहार नहीं

करते। वह मसीह में भाई है। आपको उसके साथ भाई के रूप में व्यवहार करना है। यदि उस भाई के पास अधिक सामर्थी सेवकाई है, तो परमेश्वर उसे आशीष दे, वह मसीह में आपका भाई है। आप उसके साथ प्रतिस्पर्धा नहीं करते, आप उसके साथ मिलकर कार्य करते हैं। आप मसीह में एक देह हैं। आपको असुरक्षित महसूस करने की ज़रूरत नहीं है। हम सभी प्रभु के साथ जुड़े हुए हैं।

2
नई सृष्टि

2 कुरिन्थियों 5:17

इसलिए यदि कोई मसीह में है, तो वह नई सृष्टि है। पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो, वे सब नई हो गई।

1 कुरिन्थियों 6:17

और जो प्रभु की संगति में रहता है, वह उसके साथ एक आत्मा हो जाता है।

बाईबल हम पर प्रगट करती है कि यीशु में विश्वास करने वाला हर एक व्यक्ति मसीह में है। मसीह में होने का अर्थ है आत्मिक रीति से उनके साथ एक होना।

यदि कोई मसीह में है, तो वह नई सृष्टि है (2 कुरिन्थियों 5:17)। नई सृष्टि होने का अर्थ क्या है?

2.1 हम पहले जो नहीं थे, बन जाते हैं

इफिसियों 2:10

क्योंकि हम उसके बनाए हुए हैं; और मसीह यीशु में उन भले कामों के लिए सृजे गए हैं जिन्हें परमेश्वर ने पहले से हमारे करने के लिए तैयार किया।

यह परमेश्वर का रचनात्मक कार्य था जिसने हमें मसीह में रखा। दूसरे शब्दों में, परमेश्वर ने अपनी रचनात्मक या सृजनहार सामर्थ को मुक्त किया और हमें मसीह में नई सृष्टि बनाया।

हम नई सृष्टि हैं। हम पहले जो नहीं थे, बन गए हैं। 'सृष्टि' शब्द का अर्थ है, जो पहले अस्तित्व में नहीं था, उसे अस्तित्व में लाना।

इफिसियों 2:1

और उसने तुम्हें भी जिलाया, जो अपने अपराधों और पापों के कारण मरे हुए थे।

इफिसियों 2:13

परंतु अब तो मसीह यीशु में तुम, जो पहले दूर थे, मसीह के लोहू के द्वारा निकट हो गए हो।

इफिसियों 5:8

क्योंकि तुम तो पहले अन्धकार थे, परन्तु अब प्रभु में ज्योति हो, इसलिए ज्योति की सन्तान के समान चलो।

2.2 हम अपनी आत्मा में नई सृष्टि बन गए – हमारे मन या शरीर में नहीं

1 थिस्सलुनीकियों 5:23

शान्ति का परमेश्वर आप ही तुम्हें पूरी रीति से पवित्र करे; और तुम्हारी आत्मा और प्राण और देह हमारे प्रभु यीशु मसीह के आने तक पूरे पूरे और निर्दोष सुरक्षित रहें।

यह पद हम पर प्रगट करता है कि हर मनुष्य प्राणी आत्मा, प्राण, और शरीर है। हम आत्मा हैं, हमारे पास प्राण है, और हम शरीर में रहते हैं। हमारे प्राण में हमारा मन, भावनाएं, इच्छा, और मानसिक योग्यताएं आती हैं। हमारा शरीर बाहरी कवच है। अन्दर वास करने वाला वास्तविक व्यक्ति आत्मिक व्यक्ति है। हम अपनी आत्मा में नई सृष्टि बन गए हैं।

इफिसियों 4:17–25

[17]इसलिए मैं यह कहता हूं, और प्रभु में जताए देता हूं कि जैसे अन्यजातीय लोग अपने मन की अनर्थ रीति पर चलते हैं, तुम अब से फिर ऐसे न चलो। [18]क्योंकि उनकी बुद्धि अन्धेरी हो गई है और उस

अज्ञानता के कारण जो उनमें है और उनके मन की कठोरता के कारण वे परमेश्वर के जीवन से अलग किए हुए हैं। [19]और वे सुन्न होकर लुचपन में लग गए हैं, कि सब प्रकार के गन्दे काम लालसा से किया करें। [20]पर तुमने मसीह की ऐसी शिक्षा नहीं पाई, [21]वरन् तुमने सचमुच उसी की सुनी और जैसा यीशु में सत्य है, उसी में सिखाए भी गए, [22]कि तुम अगले चालचलन के पुराने मनुष्यत्व को जो भरमानेवाली अभिलाषाओं के अनुसार भ्रष्ट होता जाता है, उतार डालो; [23]और अपने मन के आत्मिक स्वभाव में नये बनते जाओ। [24]और नये मनुष्यत्व को पहन लो, जो परमेश्वर के अनुसार सत्य की धार्मिकता और पवित्रता में सृजा गया है। [25]इस कारण झूठ बोलना छोड़कर हर एक अपने पड़ोसी से सच बोले, क्योंकि हम आपस में एक दूसरे के अंग हैं।

हम मसीह में नई सृष्टि है, परंतु हमारे मन या बुद्धि का अब तक नवीनीकरण नहीं हुआ है। हमारी बुद्धि को बदलाव की प्रक्रिया से होकर गुज़रना है और परमेश्वर के वचन के द्वारा नया बनना है। और हमारे शरीर को हमें काबू में रखना है। हम अपनी आत्माओं में नई सृष्टि है, परंतु हमें अपने मन और शरीर को हमारी आत्मा की अधीनता में रखना है।

2.3 जो नई सृष्टि हम बने हैं, वह परमेश्वर के स्वरूप और परमेश्वर की समानता में है

इफिसियों 4:23,24

[23]और अपने मन के आत्मिक स्वभाव में नये बनते जाओ। [24]और नये मनुष्यत्व को पहन लो, जो परमेश्वर के अनुसार सत्य की धार्मिकता और पवित्रता में सृजा गया है।

बाइबल कहती है कि परमेश्वर ने मनुष्य को अपने स्वरूप में बनाया (उत्पत्ति 1:26,27)। परमेश्वर ने उसमें अपना स्वयं का जीवन फूंका। उसने मनुष्य में कुछ उण्डेला। यह परमेश्वर की योजना थी – कि ऐसी जाति को बनाए जो उसकी समानता में और उसके स्वरूप में

हो। परंतु पाप की वजह से, यह बिगड़ गया, भ्रष्ट हो गया। परंतु, अब मसीह में, नया मनुष्य परमेश्वर के स्वरूप और समानता में बनाया गया है। जब मसीह के साथ हमारा मेल होता है, तब परमेश्वर का मूल उद्देश्य हासिल होता है और पुनर्स्थापित होता है। हमारी आत्माएं नया मनुष्य बन गईं।

2.3.1 हमारा 'आत्मिक मनुष्य' परमेश्वर के स्वरूप में बनाया गया, इसके अर्थ

(अ) हम मसीह के स्वरूप में बनाए गए हैं, इसका अर्थ यह है कि हमारी आत्मा, जो नया मनुष्य बन गई है, उसके पास अब परमेश्वर का जीवन और स्वभाव है। हम में परमेश्वर का जीवन और स्वभाव है।

2 पतरस 1:3,4

3क्योंकि उसके ईश्वरीय सामर्थ ने सब कुछ जो जीवन और भक्ति से सम्बन्ध रखता है, हमें उसी की पहचान के द्वारा दिया है, जिसने हमें अपनी ही महिमा और सद्‌गुण के अनुसार बुलाया है, 4जिनके द्वारा उसने हमें बहुमूल्य और बहुत ही बड़ी प्रतिज्ञाएं दी हैं; ताकि इनके द्वारा तुम उस सड़ाहट से छूटकर जो संसार में बुरी अभिलाषाओं से होती है, ईश्वरीय स्वभाव के समभागी हो जाओ।

1 यूहन्ना 5:1

जिसका यह विश्वास है कि यीशु ही मसीह है, वह परमेश्वर से उत्पन्न हुआ है, और जो कोई उत्पन्न हुआ है और जो कोई उत्पन्न करनेवाले से प्रेम रखता है, वह उससे भी प्रेम रखता है, जो उससे उत्पन्न हुआ है।

(ब) इफिसियों 4:24 कहता है कि हममें बसने वाले नए व्यक्ति की विशेषता धार्मिकता और सच्ची पवित्रता है। इसका मतलब हमारे पास धार्मिकता में और सच्ची पवित्रता में चलने की योग्यता है।

2.4 हम में बसने वाला यह नया मनुष्य, ज्ञान में नया बनने पाए

कुलुस्सियों 3:9,10

[9]एक दूसरे से झूठ मत बोलो क्योंकि तुमने पुराने मनुष्यत्व को उसके कामों समेत उतार डाला है, [10]और नए मनुष्यत्व को पहन लिया है जो अपने सृजनहार के स्वरूप के अनुसार ज्ञान प्राप्त करने के लिए नया बनता जाता है।

यह नया मनुष्य जो हमारे अन्दर है, ज्ञान में नया होता जा रहा है या अपने सृजनहार के ज्ञान में बढ़ता जा रहा है। हमारी आत्मा, जो अब नई सृष्टि बन गई है, उसे निरंतर उसके सृजनहार के ज्ञान में बढ़ने की ज़रूरत है।

2 पतरस 3:18

परंतु हमारे प्रभु, और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनुग्रह और पहचान में बढ़ते जाओ।

इफिसियों 4:13

जब तक कि हम सब के सब विश्वास, और परमेश्वर के पुत्र की पहचान में एक न हो जाएं, और एक सिद्ध मनुष्य न बन जाएं और मसीह के पूरे डील डौल तक न बढ़ जाएं।

2.5 पुरानी बातें बीत गई

2 कुरिन्थियों 5:17

इसलिए यदि कोई मसीह में है, तो वह नई सृष्टि है। पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो, वे सब नई हो गई।

रोमियों 6:6

क्योंकि हम जानते हैं कि हमारा पुराना मनुष्यत्व उसके साथ क्रूस पर चढ़ाया गया, ताकि पाप का शरीर व्यर्थ हो जाए, ताकि हम भविष्य में पाप के दासत्व में न रहें।

यहां पर 'जिस पुराने मनुष्यत्व' का उल्लेख किया गया है, हमारा पापमय स्वभाव या वह पाप है, जो हममें वास करता है। इसका अंत हो गया ताकि अब हम पाप के दास न रहे। अब हमें पाप की अधीनता में नहीं रहना है।

उपयोग

आप अतीत में जो कुछ थे उस आधार पर अपने जीवन को सीमित न करें, क्योंकि आपकी आत्मा में आप ऐसा कुछ बन गए हैं, जो पहले नहीं थे। आपकी आत्मा में एक छिपी हुई क्षमता, परमेश्वर की सामर्थ या परमेश्वर का जीवन है। जो कुछ परमेश्वर ने आपकी आत्मा में रखा है, उसे यदि आप आपके मन और शरीर पर प्रभुता करने की अनुमति देंगे, तो आपके अंदर जो नया मनुष्य है, वह आपके प्रतिदिन के जीवन में प्रगट होगा।

3
धर्मी ठहराया गया और धर्मी बनाया गया

1 कुरिन्थियों 6:9–11

[9]क्या तुम नहीं जानते कि अन्यायी लोग परमेश्वर के राज्य के वारिस न होंगे? धोखा न खाओ; न वेश्यागामी, न मूर्तिपूजक, न परस्त्रीगामी, न लुच्चे, न पुरुषगामी; [10]न चोर, न लोभी, न पियक्कड़, न गाली देनेवाले, न अन्धेर करनेवाले परमेश्वर के राज्य के वारिस होंगे। [11]और तुममें से कई ऐसे ही थे, परन्तु तुम प्रभु यीशु मसीह के नाम से और हमारे परमेश्वर के आत्मा से धोए गए, और पवित्र हुए और धर्मी ठहरे।

धोए गए, पवित्र किए, धर्मी ठहरे!

धोए गए = शुद्ध किए गए।

पवित्र किए गए = परमेश्वर के लिए और उनके उद्देश्यों के लिए अलग किए गए

धर्मी ठहरे = दोष मुक्त किए गए, निर्दोष घोषित किए गए, पूर्ण रूप से क्षमा पाए हुए, निर्दोष किए गए,? मानो मैंने कोई पाप ही न किया हो।

3.1. अनुग्रह के द्वारा धर्मी ठहराए गए

रोमियों 3:22–26

[22]अर्थात् परमेश्वर की वह धार्मिकता, जो यीशु मसीह पर विश्वास करने से सब विश्वास करनेवालों के लिए है, क्योंकि कुछ भेद नहीं; [23]इसलिए कि सब ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं। [24]परन्तु उसके अनुग्रह से उस छुटकारे के द्वारा जो मसीह यीशु में है, सेंत मेंत धर्मी ठहराए जाते हैं। [25]उसे परमेश्वर ने उसके लोहू के कारण एक ऐसा

प्रायश्चित ठहराया, जो विश्वास करने से कार्यकारी होता है कि जो पाप पहले किए गए, और जिनकी परमेश्वर ने अपनी सहनशीलता से आनाकानी की, उनके विषय में वह अपनी धार्मिकता प्रगट करें,
[26]वरन् इसी समय उसकी धार्मिकता प्रगट हो कि जिससे वह आप ही धर्मी ठहरे, और जो यीशु पर विश्वास करे उसका भी धर्मी ठहरानेवाला हो।

- परमेश्वर की धार्मिकता – परमेश्वर की अपनी धार्मिकता जो हम सभों को दी गई है और उन सभों पर है जो विश्वास करते हैं।
- मसीह यीशु में जो छुटकारा है, उसकी वजह से उनके अनुग्रह के द्वारा हम मुक्त रूप से धर्मी ठहराए गए।

तीतुस 3:4,7

[4]परंतु जब हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर की कृपा, और मनुष्यों पर उसकी प्रीति प्रगट हुई,
[5]तो उसने हमारा उद्धार किया; और यह धर्म के कामों के कारण नहीं, जो हमने आप किए, पर अपनी दया के अनुसार, नए जन्म के स्नान, और पवित्र आत्मा के हमें नया बनाने के द्वारा हुआ,
[6]जिसे उसने हमारे उद्धारकर्ता यीशु मसीह के द्वारा हम पर अधिकाई से उंडेला,
[7]जिससे हम उसके अनुग्रह से धर्मी ठहरकर, अनन्त जीवन की आशा के अनुसार वारिस बनें।

3.2 विश्वास के द्वारा धर्मी ठहराए गए

रोमियों 5:1,2

[1]इसलिए जब हम विश्वास से धर्मी ठहरे, तो अपने प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर के साथ मेल रखें,
[2]जिसके द्वारा विश्वास के कारण उस अनुग्रह तक, जिसमें हम बने हैं, हमारी पहुंच भी हुई; और परमेश्वर की महिमा की आशा पर घमण्ड करें।

हम विश्वास से धर्मी ठहरे। अब परमेश्वर के साथ हमारा मेल है।

रोमियों 5:9

इसलिए जब कि हम अब सब उसके लोहू के कारण धर्मी ठहरे, तो उसके द्वारा क्रोध से क्यों न बचेंगे?

रोमियों 3:25

उसे परमेश्वर ने उसके लोहू के कारण एक ऐसा प्रायश्चित ठहराया, जो विश्वास करने से कार्यकारी होता है कि जो पाप पहले किए गए, और जिनकी परमेश्वर ने अपनी सहनशीलता से आनाकानी की, उनके विषय में वह अपनी धार्मिकता प्रगट करें।

प्रायश्चित त्र प्रायश्चित का ढकना

मसीह हमारे "प्रायश्चित का ढकना" बने, जिनके द्वारा हम हमारा परमेश्वर के साथ मेल हुआ है।

निर्गमन 25:21,22

21और प्रायश्चित के ढकने को सन्दूक के ऊपर लगवाना; और जो साक्षीपत्र मैं तुझे दूंगा उसे सन्दूक के भीतर रखना। 22और मैं उसके ऊपर रहकर तुझ से मिला करूंगा; और इस्राएलियों के लिये जितनी आज्ञाएं मुझ को तुझे देनी होंगी, उन सभों के विषय मैं प्रायश्चित के ढकने के ऊपर से और उन करूबों के बीच में से, जो साक्षीपत्र के सन्दूक पर होंगे, तुझसे वार्तालाप किया करूंगा।

लैव्यव्यवस्था 16:14,15

14तब वह बछड़े के लोहू में से कुछ लेकर पूरब की ओर प्रायश्चित्त के ढकने के ऊपर अपनी उंगली से छिड़के, और फिर उस लोहू में से कुछ उंगली के द्वारा उस ढकने के सामने भी सात बार छिड़क दे। 15फिर वह उस पापबलि के बकरे को जो साधारण जनता के लिये होगा बलिदान करके उसके लोहू को बीचवाले पर्दे के भीतर ले आए, और जिस प्रकार बछड़े के लोहू से उसने किया था ठीक वैसा ही वह बकरे के लोहू से

भी करे, अर्थात् उसको प्रायश्चित्त के ढकने के ऊपर और उसके सामने छिड़के।

कुलुस्सियों 1:20,22

[20]और उसके क्रूस पर बहे हुए लोहू के द्वारा मेल मिलाप करके, सब वस्तुओं का उसी के द्वारा से अपने साथ मेल कर ले, चाहे वे पृथ्वी पर की हों, चाहे स्वर्ग में की। [22]ताकि तुम्हें अपने सम्मुख पवित्र और निष्कलंक, और निर्दोष बनाकर उपस्थित करे।

3.3 विश्वास द्वारा धर्मी ठहरे

रोमियों 3:22

अर्थात् परमेश्वर की वह धार्मिकता, जो यीशु मसीह पर विश्वास करने से सब विश्वास करनेवालों के लिए है, क्योंकि कुछ भेद नहीं।

2 कुरिन्थियों 5:21

जो पाप से अज्ञात था, उसी को उसने हमारे लिए पाप ठहराया, कि हम उसमें होकर परमेश्वर की धार्मिकता बन जाएं।

1 कुरिन्थियों 1:30

परन्तु उसी की ओर से तुम मसीह यीशु में हो, जो परमेश्वर की ओर से हमारे लिए ज्ञान ठहरा अर्थात् धर्म, और पवित्रता, और छुटकारा।

फिलिप्पियों 3:8,9

[8]वरन् मैं अपने प्रभु मसीह यीशु की पहचान की उत्तमता के कारण सब बातों को हानि समझता हूं: जिसके कारण मैंने सब वस्तुओं की हानि उठाई, और उन्हें कूड़ा समझता हूं, जिससे मैं मसीह को प्राप्त करूं,
9और उसमें पाया जाऊं; न कि अपनी उस धार्मिकता के साथ, जो व्यवस्था से है, वरन् उस धार्मिकता के साथ जो मसीह पर विश्वास करने के कारण है, और परमेश्वर की ओर से विश्वास करने पर मिलती है।

उपयोग

1. दण्ड की आज्ञा नहीं।

रोमियों 8:1,33,34

इसलिए अब जो मसीह यीशु में हैं, उन पर दण्ड की आज्ञा नहीं; क्योंकि वे शरीर के अनुसार नहीं, वरन् आत्मा के अनुसार चलते हैं। [33]परमेश्वर के चुने हुओं पर दोष कौन लगाएगा? परमेश्वर वह है जो उनको धर्मी ठहरानेवाला है। [34]फिर कौन है जो दण्ड की आज्ञा देगा? मसीह वह है जो मर गया, वरन् मुर्दों में से जी भी उठा, और परमेश्वर की दाहिनी ओर है, और हमारे लिए निवेदन भी करता है।

2. परमेश्वर की उपस्थिति में प्रवेश करने का हियाव आपको प्राप्त हुआ है।

इफिसियों 2:13,18

[13]परंतु अब तो मसीह यीशु में तुम, जो पहले दूर थे, मसीह के लोहू के द्वारा निकट हो गए हो। 18क्योंकि उस ही के द्वारा हम दोनों की एक आत्मा में पिता के पास पहुंच होती है।

इफिसियों 3:12

जिसमें हमको उस पर विश्वास रखने से हियाव और भरोसे से निकट आने का अधिकार है।

इब्रानियों 10:19

इसलिए हे भाइयो, जबकि हमें यीशु के लोहू के द्वारा उस नये और जीवित मार्ग से पवित्र स्थान में प्रवेश करने का हियाव हो गया है।

3. विजय पाने की सामर्थ उपलब्ध है।

प्रकाशित वाक्य 12:11

और वे मेम्ने के लोहू के कारण, और अपनी गवाही के वचन के कारण, उस पर जयवन्त हुए, और उन्होंने अपने प्राणों को प्रिय न जाना, यहां तक कि मृत्यु भी सह ली।

रोमियों 5:17

क्योंकि जब एक मनुष्य के अपराध के कारण मृत्यु ने उस एक ही के द्वारा राज्य किया, तो जो लोग अनुग्रह और धर्मरूपी वरदान बहुतायत से पाते हैं वे एक मनुष्य के, अर्थात् यीशु मसीह के द्वारा अवश्य ही अनन्त जीवन में राज्य करेंगे।

4. धार्मिकता में चलते हुए संगति में बने रहें।

1 यूहन्ना 1:7–9

**[7]परंतु यदि जैसा वह ज्योति में है, वैसे ही हम भी ज्योति में चलें, तो
एक दूसरे से सहभागिता रखते हैं, और उसके पुत्र यीशु का लोहू हमें
सब पापों से शुद्ध करता है। [8]यदि हम कहें कि हममें कुछ भी पाप नहीं,
तो अपने आप को धोखा देते हैं, और हममें सत्य नहीं। [9]यदि हम अपने
पापों को मान लें, तो वह हमारे पापों को क्षमा करने, और हमें सब अध
ार्म से शुध्द करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है।**

4
पवित्र किया गया

1 कुरिन्थियों 6:9–11

[9]क्या तुम नहीं जानते कि अन्यायी लोग परमेश्वर के राज्य के वारिस न होंगे? धोखा न खाओ; न वेश्यागामी, न मूर्तिपूजक, न परस्त्रीगामी, न लुच्चे, न पुरुषगामी; [10]न चोर, न लोभी, न पियक्कड़, न गाली देनेवाले, न अन्धेर करनेवाले परमेश्वर के राज्य के वारिस होंगे। [11]और तुममें से कई ऐसे ही थे, परन्तु तुम प्रभु यीशु मसीह के नाम से और हमारे परमेश्वर के आत्मा से धोए गए, और पवित्र हुए और धर्मी ठहरे।

hagiazo (यूनानी) = पवित्र करना;
hagiasmos (यूनानी) = पवित्रीकरण
पवित्र किया गया = अलग किया गया, संस्कारित किया गया, समर्पित किया गया, पवित्र किया गया

1 कुरिन्थियों 1:2

परमेश्वर की उस कलीसिया के नाम जो कुरिन्थुस में है, अर्थात् उनके नाम जो मसीह यीशु में पवित्र किए गए, और पवित्र होने के लिए बुलाए गए हैं; और उन सब के नाम भी जो हर जगह हमारे और अपने प्रभु यीशु मसीह के नाम की प्रार्थना करते हैं।

1 कुरिन्थियों 1:30

परन्तु उसी की ओर से तुम मसीह यीशु में हो, जो परमेश्वर की ओर से हमारे लिए ज्ञान ठहरा अर्थात् धर्म, और पवित्रता, और छुटकारा।

4.1. आप मसीह में अलग किए गए हैं

1 पतरस 2:9,10

9परंतु तुम एक चुना हुआ वंश, और राज–पदधारी, याजकों का समाज, और पवित्र लोग, और (परमेश्वर की) निज प्रजा हो, इसलिए जिसने तुम्हें अन्धकार में से अपनी अद्‌भुत ज्योति में बुलाया है, उसके गुण प्रगट करो। 10तुम पहले तो कुछ भी नहीं थे, परंतु अब परमेश्वर की प्रजा हो; तुम पर दया नहीं हुई थी, परंतु अब तुम पर दया हुई है।

परमेश्वर आपके द्वारा अपनी प्रशंसा (तमजवे – सद्‌गुण) कराना चाहते हैं।

4.2. पवित्र लोग या संत पवित्र किए गए हैं

hagios (यूनानी) = अत्यंत पवित्र वस्तु; समर्पित वस्तु

इफिसियों 1:1

पौलुस की ओर से जो परमेश्वर की इच्छा से यीशु मसीह का प्रेरित है, उन पवित्र और मसीह यीशु में विश्वासी लोगों के नाम जो इफिसुस में है।

रोमियों 1:7

उन सब के नाम जो रोम में परमेश्वर के प्यारे हैं और पवित्र होने के लिए बुलाए गए हैं, हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह की ओर से तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे।

फिलिप्पियों 4:21

हर एक पवित्र जन को जो यीशु मसीह में है नमस्कार कहो। जो भाई मेरे साथ हैं, तुम्हें नमस्कार कहते हैं।

कुलुस्सियों 1:2

मसीह में उन पवित्र और विश्वासी भाइयों के नाम जो कुलुस्से में रहते हैं, हमारे पिता परमेश्वर की ओर से तुम्हें अनुग्रह और शान्ति प्राप्त होती रहे।

इब्रानियों 10:9,10,14

[9]फिर यह भी कहता है, कि देख, मैं आ गया हूं, ताकि तेरी इच्छा पूरी
करूं; निदान, वह पहले को उठा देता है, ताकि दूसरे को नियुक्त करे।
[10]उसी इच्छा से हम यीशु मसीह की देह के एक ही बार बलिदान चढ़ाए
जाने के द्वारा पवित्र किए गए हैं। [14]क्योंकि उसने एक ही चढ़ावे के द्वारा
उन्हें जो पवित्र किए जाते हैं, सर्वदा के लिए सिध्द कर दिया है।

मसीह के बलिदान के द्वारा परमेश्वर ने हमें खुद के लिए पवित्र किया है।

4.3. पवित्र किया जाना – वर्तमान निरंतर प्रक्रिया

प्रतिदिन के व्यावहारिक जीवन में, हम खुद को परमेश्वर के लिए अलग बनाए रखते हैं।

1 थिस्सलुनीकियों 4:1–7

[1]निदान, हे भाइयो, हम तुमसे बिनती करते हैं, और तुम्हें प्रभु यीशु में
समझाते हैं कि जैसे तुमने हमसे योग्य चाल चलना, और परमेश्वर को
प्रसन्न करना सीखा है, और जैसा तुम चलते भी हो, वैसे ही और भी
बढ़ते जाओ। [2]क्योंकि तुम जानते हो कि हमने प्रभु यीशु की ओर से
तुम्हें कौन कौन सी आज्ञा पहुंचाई। [3]क्योंकि परमेश्वर की इच्छा यह है
कि तुम पवित्र बनो, अर्थात् व्यभिचार से बचे रहो। [4]और तुममें से हर एक
पवित्रता और आदर के साथ अपने पात्र को प्राप्त करना जाने। [5]और यह
काम अभिलाषा से नहीं, और न उन जातियों के समान जो परमेश्वर को
नहीं जानतीं। [6]कि इस बात में कोई अपने भाई को न ठगे, और न उस
पर दांव चलाए, क्योंकि प्रभु इन सब बातों का पलटा लेनेवाला है; जैसा

कि हमने पहले तुमसे कहा, और चिताया भी था। [7]क्योंकि परमेश्वर ने हमें अशुद्ध होने के लिए नहीं, परन्तु पवित्र होने के लिए बुलाया है।

1 यूहन्ना 3:1–3

[1]देखो, पिता ने हमसे कैसा प्रेम किया है, कि हम परमेश्वर की सन्तान कहलाएं, और हम है भी; इस कारण संसार हमें नहीं जानता, क्योंकि उसने उसे भी नहीं जाना। [2]हे प्रियो, अभी हम परमेश्वर की सन्तान हैं, और अब तक यह प्रगट नहीं हुआ कि हम क्या कुछ होंगे! इतना जानते हैं कि जब वह प्रगट होगा तो हम भी उसके समान होंगे, क्योंकि उसको वैसा ही देखेंगे जैसा वह है। [3]और जो कोई उस पर यह आशा रखता है, वह अपने आप को वैसा ही पवित्र करता है, जैसा वह पवित्र है।

उपयोग

1. आपके मानक भिन्न हैं।

रोमियों 12:1,2

[1]इसलिए हे भाइयो, मैं तुमसे परमेश्वर की दया स्मरण दिला कर बिनती करता हूं, कि अपने शरीरों को जीवित, और पवित्र, और परमेश्वर को भावता हुआ बलिदान करके चढ़ाओ; यही तुम्हारी आत्मिक सेवा है। [2]और इस संसार के सदृश्य न बनो, परन्तु तुम्हारी बुद्धि के नए हो जाने से तुम्हारा चाल–चलन भी बदलता जाए, जिससे तुम परमेश्वर की भली, और भावती, और सिद्ध इच्छा अनुभव से मालूम करते रहो।

2 कुरिन्थियों 6:14–18

[14]अविश्वासियों के साथ असमान जूए में न जुतो, क्योंकि धार्मिकता और अधर्म का क्या मेल जोल? या ज्योति और अन्धकार की क्या संगति? [15]और मसीह का बलियाल के साथ क्या लगाव? या विश्वासी के साथ अविश्वासी का क्या नाता? [16]और मूरतों के साथ परमेश्वर के मन्दिर का क्या सम्बन्ध? क्योंकि हम तो जीवित परमेश्वर के मन्दिर हैं; जैसा परमेश्वर ने कहा है कि मैं उनमें बसूंगा और उनमें चला फिरा करूंगा; और मैं उनका परमेश्वर हूंगा, और वे मेरे लोग होंगे। [17]इसलिए प्रभु

कहता है कि उनके बीच में से निकलो और अलग रहो; और अशुद्ध वस्तु को मत छुओ, तो मैं तुम्हें ग्रहण करूंगा, 18और तुम्हारा पिता हूंगा, और तुम मेरे बेटे और बेटियां होगे। यह सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर का वचन है।

2 कुरिन्थियों 7:1

इसलिए हे प्यारो, जबकि ये प्रतिज्ञाएं हमें मिली हैं, तो आओ, हम अपने आप को शरीर और आत्मा की सब मलिनता से शुद्ध करें, और परमेश्वर का भय रखते हुए पवित्रता को सिद्ध करें।

2. आपके मूल्य भिन्न हैं।

यूहन्ना 5:41,44

41मैं मनुष्यों से आदर नहीं चाहता। 44तुम जो एक दूसरे से आदर चाहते हो और वह आदर जो अद्वैत परमेश्वर की ओर से है, नहीं चाहते, किस प्रकार विश्वास कर सकते हो?

3. अलगाव का जीवन बिताने की वजह से आपको सताव और उपहास का सामना करना होगा।

यूहन्ना 17:13—19

13परन्तु अब मैं तेरे पास आता हूं, और ये बातें जगत में कहता हूं, कि वे मेरा आनन्द अपने मेें पूरा पाएं। 14मैंने तेरा वचन उन्हें पहुंचा दिया है, और संसार ने उनसे बैर किया, क्योंकि जैसा मैं संसार का नहीं, वैसे ही वे भी संसार के नहीं। 15मैं यह बिनती नहीं करता कि तू उन्हें जगत से उठा ले, परन्तु यह कि तू उन्हें उस दुष्ट से बचाए रख। 16जैसे मैं संसार का नहीं, वैसे ही वे भी संसार के नहीं। 17सत्य के द्वारा उन्हें पवित्र कर; तेरा वचन सत्य है। 18जैसे तू ने जगत में मुझे भेजा, वैसे ही मैंने भी उन्हें जगत में भेजा। 19और उनके लिए मैं अपने आप को पवित्र करता हूं, ताकि वे भी सत्य के द्वारा पवित्र किए जाएं।

2 तीमुथियुस 3:12

परंतु जितने मसीह यीशु में भक्ति के साथ जीवन बिताना चाहते हैं, वे सब सताए जाएंगे।

4. आपकी गवाही महत्व रखती है।

1 पतरस 2:9

परंतु तुम एक चुना हुआ वंश, और राज–पदधारी, याजकों का समाज, और पवित्र लोग, और (परमेश्वर की) निज प्रजा हो, इसलिए जिसने तुम्हें अन्धकार में से अपनी अद्‌भुत ज्योति में बुलाया है, उसके गुण प्रगट करो।

5. परमेश्वर का पात्र या ज़रिया बनने के लिए यह योग्यता है।

2 तीमुथियुस 2:19–21

[19]तौभी परमेश्वर की पक्की नेव बनी रहती है, और उस पर यह छाप लगी
है कि प्रभु अपनों को पहचानता है; और जो कोई प्रभु का नाम लेता है,
वह अधर्म से बचा रहे। [20]बड़े घर में न केवल सोने–चान्दी ही के, परंतु
काठ और मिट्टी के बर्तन भी होते हैं, कोई कोई आदर, और कोई कोई
अनादर के लिए। [21]यदि कोई अपने आपको इनसे शुद्ध करेगा, तो वह
आदर का बर्तन, और पवित्र ठहरेगा; और स्वामी के काम आएगा, और
हर भले काम के लिए तैयार होगा।

भजनसंहिता 4:3

यह जान रखो कि यहोवा ने भक्त को अपनें लिए अलग कर रखा है; जब मैं यहोवा को पुकारूंगा तब वह सुन लेगा।

5
आशीषित, संपन्न और जयवन्त बनाया गया

5.1. आशीषित किए गए

इफिसियों 1:3

हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता का धन्यवाद हो कि उसने हमें मसीह में स्वर्गीय स्थानों में सब प्रकार की आशीष दी है।

याकूब 1:17

क्योंकि हर एक अच्छा वरदान और हर एक उत्तम दान ऊपर ही से है, और ज्योतियों के पिता की ओर से मिलता है, जिसमें न तो कोई परिवर्तन हो सकता है, और न अदल बदल के कारण उस पर छाया पड़ती है।

भजनसंहिता 103:1–6

1हे मेरे मन, यहोवा को धन्य कह; और जो कुछ मुझ में है, वह उसके
पवित्र नाम को धन्य करे! 2हे मेरे मन, यहोवा को धन्य कह, और उसके
किसी उपकार को न भूलना। 3वही तो तेरे सब अधर्म को क्षमा करता,
और तेरे सब रोगों को चंगा करता है, 4वही तो तेरे प्राण को नाश होने
से बचा लेता है, और तेरे सिर पर करुणा और दया का मुकुट बान्धता
है, 5वही तो तेरी लालसा को उत्तम पदार्थों से तृप्त करता है, जिस से
तेरी जवानी उकाब की नाईं नई हो जाती है। 6यहोवा सब पिसे हुओं
के लिये धर्म और न्याय के काम करता है।

रोमियों 8:32

जिसने अपने निज पुत्र को भी न रख छोड़ा, परन्तु उसे हम सब के लिए दे दिया, वह उसके साथ हमें और सब कुछ कैसे न देगा?

लूका 12:32

हे छोटे झुण्ड, मत डर! क्योंकि तुम्हारे पिता को यह भाया है कि तुम्हें राज्य दे।

5.2. धनी किए गए

1 कुरिन्थियों 1:5–7

5कि उसमें होकर तुम हर बात में अर्थात् सारे वचन और सारे ज्ञान में धनी किए गए, 6कि मसीह की गवाही तुममें पक्की निकली, 7यहां तक कि किसी वरदान में तुम्हें घटी नहीं, और तुम हमारे प्रभु यीशु मसीह के प्रगट होने की बाट जोहते रहते हो।

5.3. जयवंत

2 कुरिन्थियों 2:14

परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो, जो मसीह में सदा हमको जय के उत्सव में लिए फिरता है, और अपने ज्ञान का सुगन्ध हमारे द्वारा हर जगह फैलाता है।

रोमियों 5:17

क्योंकि जब एक मनुष्य के अपराध के कारण मृत्यु ने उस एक ही के द्वारा राज्य किया, तो जो लोग अनुग्रह और धर्मरूपी वरदान बहुतायत से पाते हैं वे एक मनुष्य के, अर्थात् यीशु मसीह के द्वारा अवश्य ही अनन्त जीवन में राज्य करेंगे।

1 यूहन्ना 5:1,4

1इसलिए जब हम विश्वास से धर्मी ठहरे, तो अपने प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर के साथ मेल रखें। 4और धीरज से खरा निकलना, और खरे निकलने से आशा उत्पन्न होती है।

1 कुरिन्थियों 15:57

परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो, जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमें जयवन्त करता है।

उपयोग

1. मसीह में जो उत्तम बातें आपने पाई हैं, उन्हें कबूल करें।

फिलेमोन 1:6

कि तेरा विश्वास में सहभागी होना तुम्हारी सारी भलाई की पहचान में मसीह के लिए प्रभावशाली हो।

2. धन्यता का, अपने आशीषित होने का भाव रखें – आपकी वर्तमान दशा आपके अंतिम लक्ष्य का संकेत नहीं है।

3. परमेश्वर में आपकी अन्तःशक्ति को पहचानें।

2 कुरिन्थियों 3:5

यह नहीं कि हम अपने आप से इस योग्य हैं, कि अपनी ओर से किसी बात का विचार कर सकें; पर हमारी योग्यता परमेश्वर की ओर से है।

4. यदि आप हताश होने से इन्कार करें, तो विजय आपकी है।

1 तीमुथियुस 6:12

विश्वास की अच्छी कुश्ती लड़; और उस अनन्त जीवन को धर ले, जिसके लिए तू बुलाया गया, और बहुत गवाहों के सामने अच्छा अंगीकार किया था।

6

मसीह के साथ एक : क्रूस पर चढ़ाया गया, दफनाया गया, जीवित किया गया, जिलाया गया, स्वर्गीय स्थानों में बैठाया गया

हम मसीह में एक हैं, इसलिए उनके क्रूस पर चढ़ाए जाने, दफनाए जाने, पुनरुत्थान, स्वर्गारोहण और पिता के दाहिने हाथ पर उनके स्थान में, हम उनके साथ एकात्म हो गए हैं।

मसीह के साथ हमारे वर्तमान मेल ने हमें उनकी पिछली उपलब्धियों का अधिकार प्रदान किया है। मसीह के साथ हमारी वर्तमान एकात्मता ने हमें उनके साथ इतना एक बना दिया कि उनकी पिछली उपलब्धियों में मानो हम उनके साथ थे।

2 कुरिन्थियों 5:17

इसलिए यदि कोई मसीह में है, तो वह नई सृष्टि है। पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो, वे सब नई हो गई।

रोमियों 6

1तब हम क्या कहें? क्या हम पाप करते रहे ताकि अनुग्रह बहुत हो?
2कदापि नहीं, हम जब पाप के लिए मर गए, तो फिर भविष्य में उसमें
कैसे जीवन बिताएं? 3क्या तुम नहीं जानते, कि हम जितनों ने मसीह
यीशु का बपतिस्मा लिया, तो उसकी मृत्यु का बपतिस्मा लिया? 4इसलिए
उस मृत्यु का बपतिस्मा पाने से हम उसके साथ गाड़े गए, ताकि जैसे
मसीह पिता की महिमा के द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया, वैसे ही
हम भी नए जीवन की सी चाल चलें। 5क्योंकि यदि हम उसकी मृत्यु की
समानता में उसके साथ जुट गए हैं, तो निश्चय उसके जी उठने की

समानता में भी जुट जाएंगे। [6]क्योंकि हम जानते हैं कि हमारा पुराना मनुष्यत्व उसके साथ क्रूस पर चढ़ाया गया, ताकि पाप का शरीर व्यर्थ हो जाए, ताकि हम भविष्य में पाप के दासत्व में न रहें। [7]क्योंकि जो मर गया, वह पाप से छूटकर धर्मी ठहरा। [8]इसलिए यदि हम मसीह के साथ मर गए, तो हमारा विश्वास यह है कि उसके साथ जीएंगे भी, [9]क्योकि हम यह जानते हैं कि मसीह मरे हुओं में से जी उठकर फिर मरने का नहीं, उस पर फिर मृत्यु की प्रभुता नहीं होने की। [10]क्योंकि वह जो मर गया तो पाप के लिए एक ही बार मर गया; परन्तु जो जीवित है, तो परमेश्वर के लिए जीवित है। [11]ऐसे ही तुम भी अपने आप को पाप के लिए तो मरा, परन्तु परमेश्वर के लिए मसीह यीशु में जीवित समझो। [12]इसलिए पाप तुम्हारे मरनहार शरीर में राज्य न करे, कि तुम उसकी लालसाओं के आधीन रहो। [13]और न अपने अंगों को अधर्म के हथियार होने के लिए पाप को सौंपो, पर अपने आप को मरे हुओं में से जी उठा हुआ जानकर परमेश्वर को सौंपो, और अपने अंगों को धर्म के हथियार होने के लिए परमेश्वर का सौंपो। [14]और तुम पर पाप की प्रभुता न होगी, क्योंकि तुम व्यवस्था के आधीन नहीं, वरन् अनुग्रह के आधीन हो। [15]तो क्या हुआ? क्या हम इसलिए पाप करें कि हम व्यवस्था के आधीन नहीं, वरन् अनुग्रह के आधीन हैं? कदापि नहीं। [16]क्या तुम नहीं जानते कि जिसकी आज्ञा मानने के लिए तुम अपने आप को दासों के समान सौंप देते हो उसी के दास हो; और जिसकी मानते हो, चाहे पाप के, जिसका अन्त मृत्यु है, चाहे आज्ञा मानने के, जिसका अन्त धार्मिकता है? [17]परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो कि तुम जो पाप के दास थे, तौभी मन से उस उपदेश के मानने वाले हो गए, जिसके सांचे में ढाले गए थे, [18]और पाप से छुड़ाए जाकर धर्म के दास हो गए। [19]मैं तुम्हारी शारीरिक दुर्बलता के कारण मनुष्यों की रीति पर कहता हूं, जैसे तुमने अपने अंगों को कुकर्म के लिए अशुद्धता और कुकर्म के दास करके सौपा था, वैसे ही अब अपने अंगों को पवित्रता के लिए धर्म के दास करके सौंप दो। [20]जब तुम पाप के दास थे, तो धर्म की ओर से स्वतंत्र थे। [21]इसलिए जिन बातों से अब तुम लज्जित होते हो, उनसे उस समय तुम क्या फल पाते थे?

[22]क्योंकि उनका अन्त तो मृत्यु है, परन्तु अब पाप से स्वतंत्र होकर और परमेश्वर के दास बनकर तुमको फल मिला, जिससे पवित्रता प्राप्त होती है, और उसका अन्त अनन्त जीवन है। [23]क्योंकि पाप की मजदूरी तो मृत्यु है, परन्तु परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु मसीह यीशु में अनन्त जीवन है।

यहां पर रोमियों 6 में तीन मुख्य शब्द पाए जाते हैं :

"जानना" – सत्य को जानना। आप क्रूस पर चढ़ाए गए, दफनाए गए, मूर्दों में से जिलाए गए।

"समझना" – सत्य को स्वीकार करना। उसे तथ्य के रूप में स्वीकार करना।

"सौंपना" – खुद को प्रभु के अधीन करना।

कुलुस्सियों 2:11–13

[11]उसी में तुम्हारा ऐसा खतना हुआ है, जो हाथ से नहीं होता, अर्थात् मसीह का खतना, जिससे शारीरिक देह उतार दी जाती है, [12]और उसी के साथ बपतिस्मा में गाड़े गए, और उसी में परमेश्वर की शक्ति पर विश्वास करके, जिसने उसको मरे हुओं में से जिलाया, उसके साथ जी भी उठे।

इफिसियों 2:1–7

[1]और उसने तुम्हें भी जिलाया, जो अपने अपराधों और पापों के कारण मरे हुए थे, [2]जिनमें तुम पहले इस संसार की रीति पर, और आकाश के अधिकार के हाकिम अर्थात् उस आत्मा के अनुसार चलते थे, जो अब भी आज्ञा न माननेवालों में कार्य करता है। [3]इनमें हम भी सब के सब पहले अपने शरीर की लालसाओं मे दिन बिताते थे, और शरीर, और मन की मनसाएं पूरी करते थे, और अन्य लोगों के समान स्वभाव ही से क्रोध की सन्तान थे। [4]परन्तु परमेश्वर ने जो दया का धनी है, अपने उस बड़े प्रेम के कारण, जिससे उसने हमसे प्रेम किया, [5]जब हम अपराधों के

कारण मरे हुए थे, तो हमें मसीह के साथ जिलाया (अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है), [6]और मसीह यीशु में उसके साथ उठाया, और स्वर्गीय स्थानों में उसके साथ बैठाया, [7]कि वह अपनी उस कृपा से, जो मसीह यीशु में हम पर है, आनेवाले समयों में अपने अनुग्रह का असीम धन दिखाए।

- मसीह के साथ क्रस पर चढ़ाए गए – पाप का शरीर नष्ट हो गया।
- मसीह के साथ दफनाए गए – पिछले जीवन से अलग किए गए।
- मसीह के साथ मरे हुओं में से जिलाए गए – नया जीवन प्रदान किया गया।
- मसीह के साथ स्वर्ग में उठाए गए – वर्तमान युग/संसार से अलग किए गए।
- मसीह के साथ बैठाए गए – राज्य करने के लिए स्थापित किए गए।

6.1. मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाए गए – पाप का शरीर नाश किया गया

गलातियों 2:20

मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूं, और अब मैं जीवित न रहा, पर मसीह मुझ में जीवित है; और मैं शरीर में अब जो जीवित हूं तो केवल उस विश्वास से जीवित हूं, जो परमेश्वर के पुत्र पर है, जिसने मुझ से प्रेम किया, और मेरे लिए अपने आप को दे दिया।

कुलुस्सियों 2:11

उसी में तुम्हारा ऐसा खतना हुआ है, जो हाथ से नहीं होता, अर्थात् मसीह का खतना, जिससे शारीरिक देह उतार दी जाती है।

उपयोग

पाप का शरीर – पाप की सामर्थ – वह पुराना पापमय स्वभाव नष्ट हो गए। इसलिए खुद को मरा हुआ समझें।

यहां पर रोमियों 6 में तीन मुख्य शब्द पाए जाते हैं :

"जानना" – सत्य को जानना। आप क्रूस पर चढ़ाए गए, दफनाए गए, मूर्दों में से जिलाए गए।

"समझना" – सत्य को स्वीकार करना। उसे तथ्य के रूप में स्वीकार करना।

"सौंपना" – खुद को प्रभु के अधीन करना।

6.2. मसीह के साथ दफनाए गए – पिछले जीवन से अलग किए गए

इफिसियों 4:21–25

**21वरन् तुमने सचमुच उसी की सुनी और जैसा यीशु में सत्य है, उसी
में सिखाए भी गए, 22कि तुम अगले चालचलन के पुराने मनुष्यत्व को जो
भरमानेवाली अभिलाषाओं के अनुसार भ्रष्ट होता जाता है, उतार डालो;
23और अपने मन के आत्मिक स्वभाव में नये बनते जाओ। 24और नये
मनुष्यत्व को पहन लो, जो परमेश्वर के अनुसार सत्य की धार्मिकता और
पवित्रता में सृजा गया है। 25इस कारण झूठ बोलना छोड़कर हर एक
अपने पड़ोसी से सच बोले, क्योंकि हम आपस में एक दूसरे के अंग हैं।**

कुलुस्सियों 3:3

क्योंकि तुम तो मर गए, और तुम्हारा जीवन मसीह के साथ परमेश्वर में छिपा हुआ है।

उपयोग

आप पिछले जीवन से अलग किए गए हैं, इसलिए पिछली जीवनशैली को त्याग दें।

6.3. मसीह के साथ मरे हुओं में से जिलाए गए – नया जीवन प्रदान किया गया

इफिसियों 2:1–3

**[1]और उसने तुम्हें भी जिलाया, जो अपने अपराधों और पापों के कारण
मरे हुए थे, [2]जिनमें तुम पहले इस संसार की रीति पर, और आकाश के
अधिकार के हाकिम अर्थात् उस आत्मा के अनुसार चलते थे, जो अब भी
आज्ञा न माननेवालों में कार्य करता है। [3]इनमें हम भी सब के सब पहले
अपने शरीर की लालसाओं मे दिन बिताते थे, और शरीर, और मन की
मनसाएं पूरी करते थे, और अन्य लोगों के समान स्वभाव ही से क्रोध
की सन्तान थे।**

उपयोग

'नई सृष्टि' वाले जीवन को जीए।

6.4. मसीह के साथ स्वर्गीय स्थानों में बैठाए गए – वर्तमान युग/संसार से अलग किए गए

इफिसियों 2:6

और मसीह यीशु में उसके साथ उठाया, और स्वर्गीय स्थानों में उसके साथ बैठाया।

कुलुस्सियों 3:1,3

**[1]इसलिए जब तुम मसीह के साथ जिलाए गए, तो स्वर्गीय वस्तुओं की
खोज में रहो, जहां मसीह वर्तमान है और परमेश्वर के दाहिनी ओर बैठा**

है। [3]क्योंकि तुम तो मर गए, और तुम्हारा जीवन मसीह के साथ परमेश्वर में छिपा हुआ है।

गलातियों 6:14

परंतु ऐसा न हो, कि मैं और किसी बात का घमण्ड करूं, केवल हमारे प्रभु यीशु मसीह के क्रूस का जिसके द्वारा संसार मेरी दृष्टि में और मैं संसार की दृष्टि में क्रूस पर चढ़ाया गया हूं।

उपयोग

आप इस वर्तमान युग से अलग किए गए हैं। इसलिए अपना मन स्वर्गीय बातों पर लगाएं।

6.5. मसीह के साथ स्वर्गीय स्थानों में बैठाए गए – राज्य करने हेतु ठहराए गए

इफिसियों 2:6

और मसीह यीशु में उसके साथ उठाया, और स्वर्गीय स्थानों में उसके साथ बैठाया।

उपयोग

अपने अधिकार का उपयोग करें।

7
छुड़ाया गया, मुक्त किया गया

इफिसियों 1:7

हमको उसमें उसके लोहू के द्वारा छुटकारा, अर्थात् अपराधों की क्षमा, उसके उस अनुग्रह के धन के अनुसार मिला है।

कुलुस्सियों 1:12—14

12और पिता का धन्यवाद करते रहो, जिसने हमें इस योग्य बनाया कि
ज्योति में पवित्र लोगों के साथ मीरास में समभागी हों। 13उसी ने हमें
अन्धकार के वश से छुड़ाकर अपने प्रिय पुत्र के राज्य में प्रवेश कराया,
14जिसमें हमें छुटकारा अर्थात् पापों की क्षमा प्राप्त होती है।

यूनानी भाषा के शब्द के अनुवाद के बाद उसका अर्थ होता है 'छुटकारा।'

Agaridzo (यूनानी) : 'खरीदा गया', 'बाजार जाना।' बाजार के स्थान का वर्णन करने के लिए उपयोग किया जाता है, विशेष करके गुलामों का बाजार।

1 कुरिन्थियों 6:20

क्योंकि दाम देकर मोल लिए गए हो, इसलिए अपनी देह के द्वारा परमेश्वर की महिमा करो।

प्रकाशितवाक्य 5:9,10

9और वे यह नया गीत गाने लगे कि तू इस पुस्तक के लेने, और उसकी
मुहरें खोलने के योग्य है; क्योंकि तू ने वध होकर अपने लोहू से हर
एक कुल, और भाषा, और लोग, और जाति में से परमेश्वर के लिए
लोगों को मोल लिया है। 10और उन्हें हमारे परमेश्वर के लिए एक राज्य
और याजक बनाया; और वे पृथ्वी पर राज्य करते हैं।

Exagaridzo (यूनानी) : गुलामों के बाजार से गुलाम को खरीदना

गलातियों 3:13,14

13मसीह ने जो हमारे लिए श्रापित बना, हमें मोल लेकर व्यवस्था के श्राप से छुड़ाया क्योंकि लिखा है, जो कोई काठ पर लटकाया जाता है वह श्रापित है। 14यह इसलिए हुआ, कि इब्राहीम की आशीष मसीह यीशु में अन्यजातियों तक पहुंचे, और हम विश्वास के द्वारा उस आत्मा को प्राप्त करें, जिसकी प्रतिज्ञा हुई है।

गलातियों 4:4,5

4परन्तु जब समय पूरा हुआ, तो परमेश्वर ने अपने पुत्र को भेजा, जो स्त्री से जन्मा, और व्यवस्था के आधीन उत्पन्न हुआ। 5ताकि व्यवस्था के आधीनों को मोल लेकर छुड़ा ले, और हम को लेपालक होने का पद मिले।

Lutroo (यूनानी) = दाम देकर कैदी को छुड़ाना

तीतुस 2:14

जिसने अपने आप को हमारे लिए दे दिया, कि हमें हर प्रकार के अधर्म से छुड़ा ले, और शुद्ध करके अपने लिए एक ऐसी जाति बना ले जो भले भले कामों में सरगर्म हो।

Antilutron (यूनानी) = छुटकारे का दाम

1 तीमुथियुस 2:5,6

5क्योंकि परमेश्वर एक ही है; और परमेश्वर और मनुष्यों के बीच में भी एक ही बिचवई है, अर्थात् मसीह यीशु जो मनुष्य है, 6जिसने अपने आपको सब के छुटकारे के दाम में दे दिया; ताकि उसकी गवाही ठीक समयों पर दी जाए।

Apolutrosis (यूनानी) = हमें अपनी पूर्व स्थिति में लौटाने हेतु दाम देना

इफिसियों 1:7

हमको उसमें उसके लोहू के द्वारा छुटकारा, अर्थात् अपराधों की क्षमा, उसके उस अनुग्रह के धन के अनुसार मिला है।

1 कुरिन्थियों 1:30

परन्तु उसी की ओर से तुम मसीह यीशु में हो, जो परमेश्वर की ओर से हमारे लिए ज्ञान ठहरा अर्थात् धर्म, और पवित्रता, और छुटकारा।

7.1 हमने किस बात से छुटकारा पाया है?

7.1.1 अन्धकार के राज्य से छुटकारा

कुलुस्सियों 1:13,14

13उसी ने हमें अन्धकार के वश से छुड़ाकर अपने प्रिय पुत्र के राज्य में प्रवेश कराया, 14जिसमें हमें छुटकारा अर्थात् पापों की क्षमा प्राप्त होती है।

7.1.2 व्यवस्था के श्राप से छुटकारा

गलातियों 3:13

मसीह ने जो हमारे लिए श्रापित बना, हमें मोल लेकर व्यवस्था के श्राप से छुड़ाया क्योंकि लिखा है, जो कोई काठ पर लटकाया जाता है वह श्रापित है।

7.1.3 हर अधर्म के काम से छुटकारा

तीतुस 2:14

जिसने अपने आप को हमारे लिए दे दिया, कि हमें हर प्रकार के अधर्म से छुड़ा ले, और शुद्ध करके अपने लिए एक ऐसी जाति बना ले जो भले भले कामों में सरगर्म हो।

7.1.4 वर्तमान बुरे संसार से छुटकारा

गलातियों 1:3,4

3परमेश्वर पिता, और हमारे प्रभु यीशु मसीह की ओर से तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे। 4उसी ने अपने आपको हमारे पापों के लिए दे दिया, ताकि हमारे परमेश्वर और पिता की इच्छा के अनुसार हमें इस वर्तमान बुरे संसार से छुड़ाए।

7.1.5 मृत्यु के भय से छुटकारा

इब्रानियों 2:14,15

14इसलिए जबकि लड़के मांस और लोहू के भागी हैं, तो वह आप भी उनके समान उनका सहभागी हो गया; ताकि मृत्यु के द्वारा उसे जिसे मृत्यु पर शक्ति मिली थी, अर्थात् शैतान को निकम्मा कर दे। 15और जितने मृत्यु के भय के मारे जीवन भर दासत्व में फंसे थे, उन्हें छुड़ा ले।

7.1.6 हमारे पुरखाओं से चलते आए बुरे चाल चलन से छुटकारा

1 पतरस 1:18,19

18क्योंकि तुम जानते हो कि तुम्हारा निकम्मा चालचलन जो बापदादों से चला आता है, उससे तुम्हारा छुटकारा चान्दी सोने अर्थात् नाशमान वस्तुओं के द्वारा नहीं हुआ, 19परंतु निर्दोष और निष्कलंक मेम्ने अर्थात् मसीह के बहुमूल्य लोहू के द्वारा हुआ।

7.2 परमेश्वर के साथ मेलमिलाप में लौटाया गया

रोमियों 5:11

और केवल यही नहीं, परन्तु हम अपने प्रभु यीशु मसीह के द्वारा जिसके द्वारा हमारा मेल हुआ है, परमेश्वर के विषय में घमण्ड भी करते हैं।

Atoneme प्रायश्चित *Katallage* (यूनानी)	=	लेनदेन – सर्राफों के व्यापार में, समान मूल्य में फेरबदल
	=	फर्क में समझौता, मेल, अनुग्रह की फिर प्राप्ति, नए नियम में पश्चाताप करने वाले और मसीह की मृत्यु में अपना भरोसा करने वाले पापियों के प्रति परमेश्वर के अनुग्रह का लौटाया जाना

7.3 मसीह हमारा छुटकारा हैं

1 कुरिन्थियों 1:30

परन्तु उसी की ओर से तुम मसीह यीशु में हो, जो परमेश्वर की ओर से हमारे लिए ज्ञान ठहरा अर्थात् धर्म, और पवित्रता, और छुटकारा।

उपयोग

1. आपके छुटकारे की वास्तविकता जानें।
2. ऐसा कहें!

भजन 107:2

यहोवा के छुड़ाए हुए ऐसा ही कहें, जिन्हें उसने द्रोही के हाथ से दाम देकर छुड़ा लिया है।

2. आज़ादी के साथ चलें!

प्रकाशितवाक्य 12:11

और वे मेम्ने के लोहू के कारण, और अपनी गवाही के वचन के कारण, उस पर जयवन्त हुए, और उन्होंने अपने प्राणों को प्रिय न जाना, यहां तक कि मृत्यु भी सह ली।

8
स्वतंत्र किया गया

8.1 व्यवस्था के बंधन से छुटकारा

गलातियों 2:3,4,16

[3]परन्तु तितुस भी जो मेरे साथ था और जो यूनानी है, खतना कराने के लिए विवश नहीं किया गया। [4]और यह उन झूठे भाइयों के कारण हुआ, जो चोरी से घुस आए थे कि उस स्वतंत्रता का जो मसीह यीशु में हमें मिली है, भेद लेकर हमें दास बनाएं। [16]तौभी यह जानकर कि मनुष्य व्यवस्था के कामों से नहीं, परंतु केवल यीशु मसीह पर विश्वास करने के द्वारा धर्मी ठहरता है, हमने स्वयं भी मसीह यीशु पर विश्वास किया कि हम व्यवस्था के कामों से नहीं, परंतु मसीह पर विश्वास करने से ध ार्मी ठहरें; इसलिए कि व्यवस्था के कामों से कोई प्राणी धर्मी न ठहरेगा।

गलातियों 5:6

और मसीह यीशु में न खतना, न खतनारहित कुछ काम का है, परन्तु केवल विश्वास जो प्रेम के द्वारा प्रभाव करता है।

गलातियों 6:15

क्योंकि न खतना, और न खतनारहित कुछ है, परन्तु नई सृष्टि।

रोमियों 7:4

इसलिए हे मेरे भाइयो, तुम भी मसीह की देह के द्वारा व्यवस्था के लिए मरे हुए बन गए, कि उस दूसरे के हो जाओ, जो मरे हुओं में से जी उठा, ताकि हम परमेश्वर के लिए फल लाएं।

उपयोग

1. आप धर्म के नहीं हैं। आप व्यक्ति के हैं।

2. आप किसी धार्मिक प्रणाली का हिस्सा नहीं हैं। आप मसीह यीशु में जीवित हैं।

8.2 निर्बल और निकम्मी प्रथाओं से छुटकारा

गलातियों 4:6–11

[6]और तुम जो पुत्र हो, इसलिए परमेश्वर ने अपने पुत्र के आत्मा को, जो हे अब्बा, हे पिता कहकर पुकारता है, हमारे हृदय में भेजा है। [7]इसलिए तू अब दास नहीं, परन्तु पुत्र है; और जब पुत्र हुआ, तो परमेश्वर के द्वारा वारिस भी हुआ। [8]भला, तब तो तुम परमेश्वर को न जानकर उनके दास थे जो स्वभाव से परमेश्वर नहीं। [9]पर अब जो तुमने परमेश्वर को पहचान लिया वरन् परमेश्वर ने तुमको पहचाना, तो उन निर्बल और निकम्मी आदि–शिक्षा की बातों की ओर क्यों फिरते हों, जिनके तुम दोबारा दास होना चाहते हो? [10]तुम दिनों और महीनों और नियत समयों और वर्षों को मानते हो। [11]मैं तुम्हारे विषय में डरता हूं, कहीं ऐसा न हो, कि जो परिश्रम मैंने तुम्हारे लिए किया है, व्यर्थ ठहरे।

फिलिप्पियों 3:3

क्योंकि खतनावाले तो हम ही हैं जो परमेश्वर के आत्मा की अगुवाई से उपासना करते हैं, और मसीह यीशु पर घमण्ड करते हैं, और शरीर पर भरोसा नहीं रखते।

8.3 मनुष्यों द्वारा बनाए गए नियमों और कल्पनाओं से छुटकारा

कुलुस्सियों 2:18–23 (एम्प्लिफाईड बाइबल)

[18]कोई मनुष्य दीनता और स्वर्गदूतों की पूजा करके तुम्हें दौड़ के प्रतिफल से वंचित न करे। ऐसा मनुष्य देखी हुई बातों में लगा रहता है और अपनी शारीरिक समझ पर व्यर्थ फूलता है, [19]और उस शिरोमणि को पकड़े नहीं रहता जिससे सारी देह जोड़ों और पट्ठों के द्वारा पालन–पोषण पाकर और एक साथ गठकर, परमेश्वर की ओर से बढ़ती

जाती है। [20]जबकि तुम मसीह के साथ संसार की आदि शिक्षा की ओर
से मर गए हो, तो फिर उनके समान जो संसार में जीवन बिताते हैं,
मनुष्यों की आज्ञाओं और शिक्षानुसार, [21]और ऐसी विधियों के वश में
क्यों रहते हो कि यह न छूना, उसे न चखना, और उसे हाथ न लगाना?
[22](क्योंकि से सब वस्तु काम में लाते लाते नाश हो जाएंगी)। [23]इन विधि
ायों में अपनी इच्छा के अनुसार गढ़ी हुई भक्ति की रीति, और दीनता,
और शारीरिक योगाभ्यास के भाव से ज्ञान का नाम तो है, परन्तु
शारीरिक लालसाओं के रोकने में इनसे कुछ भी लाभ नहीं होता।

8.4 अपनी स्वतंत्रता में स्थिर रहें

गलातियों 5:1

मनुष्यों द्वारा बनाए गए नियमों, प्रथाओं, आदि बातों के गुलाम न बनें।

8.5 अपनी स्वतंत्रता का गलत उपयोग न करें

गलातियों 5:13,14

[13]हे भाइयो, तुम स्वतंत्र होने के लिए बुलाए गए हो, परन्तु ऐसा न हो
कि यह स्वतंत्रता शारीरिक कामों के लिए अवसर बने, वरन् प्रेम से एक
दूसरे के दास बनो। [14]क्योंकि सारी व्यवस्था इस एक ही बात में पूरी हो
जाती है कि तू अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रख।

इफिसियों 6:5–9

[5]हे दासो, जो लोग शरीर के अनुसार तुम्हारे स्वामी हैं, अपने मन की
सीधाई से डरते, और कांपते हुए, जैसे मसीह की, वैसे ही उनकी भी
आज्ञा मानो। [6]और मनुष्यों को प्रसन्न करनेवालों के समान दिखाने के
लिए सेवा न करो, पर मसीह के दासों के समान मन से परमेश्वर की
इच्छा पर चलो। [7]और उस सेवा को मनुष्यों की नहीं, परन्तु प्रभु की
जानकर सुइच्छा से करो। [8]क्योंकि तुम जानते हो कि जो कोई जैसा
अच्छा काम करेगा, चाहे दास हो, चाहे स्वतंत्र, प्रभु से वैसा ही पाएगा।
[9]और हे स्वामियो, तुम भी धमकियां छोड़कर उनके साथ वैसा ही व्यवहार

करो, क्योंकि जानते हो, कि उनका और तुम्हारा दोनों का स्वामी स्वर्ग में है, और वह किसी का पक्ष नहीं करता।

कुलुस्सियों 3:22–25

[22]हे सेवको, जो शरीर के अनुसार तुम्हारे स्वामी हैं, सब बातों में उनकी
आज्ञा का पालन करो, मनुष्यों को प्रसन्न करनेवालों के समान दिखाने
के लिए नहीं, परन्तु मन की सीधाई और परमेश्वर के भय से। [23]और जो
कुछ तुम करते हो, तन मन से करो, यह समझकर कि मनुष्यों के लिए
नहीं, परन्तु प्रभु के लिए करते हो। [24]क्योंकि तुम जानते हो कि तुम्हें
इसके बदले प्रभु से मीरास मिलेगी। तुम प्रभु मसीह की सेवा करते हो।
[25]क्योंकि जो बुरा करता है, वह अपनी बुराई का फल पाएगा; वहां किसी
का पक्षपात नहीं।

8.6 अपनी स्वतंत्रता का बुद्धिमानी से उपयोग करें

रोमियों 14:1–9

[1]जो विश्वास में निर्बल है, उसे अपने संगति में ले लो; परन्तु उसकी
शंकाओं पर विवाद करने के लिए नहीं। [2]क्योंकि एक को विश्वास है कि
सब कुछ खाना उचित है, परन्तु जो विश्वास में निर्बल है, वह साग पात
ही खाता है। [3]और खानेवाला न खानेवाले को तुच्छ न जाने, और न
खानेवाला खानेवाले पर दोष न लगाए; क्योंकि परमेश्वर ने उसे ग्रहण
किया है। [4]तू कौन है जो दूसरे के सेवक पर दोष लगाता है? उसका
स्थिर रहना या गिर जाना उसके स्वामी ही से सम्बंध रखता है, वरन् वह
स्थिर ही कर दिया जाएगा; क्योंकि प्रभु उसे स्थिर रख सकता है। [5]कोई
तो एक दिन को दूसरे से बढ़कर जानता है, और कोई सब दिन एक
सा जानता है। हर एक अपने ही मन में निश्चय कर ले। [6]जो किसी दिन
को मानता है, वह प्रभु के लिए मानता है। जो खाता है, वह प्रभु के लिए
खाता है, क्योंकि परमेश्वर का धन्यवाद करता है, और जो नहीं खाता,
वह प्रभु के लिए नहीं खाता और परमेश्वर का धन्यवाद करता है।
[7]क्योंकि हममें से न तो कोई अपने लिए जीता है, और न कोई अपने

लिए मरता है। 8क्योंकि यदि हम जीवित हैं, तो प्रभु के लिए जीवित हैं;
और यदि मरते हैं, तो प्रभु के लिए मरते हैं; इसलिए हम जीएं या मरें,
हम प्रभु ही के हैं। 9क्योंकि मसीह इसी लिए मरा और जी भी उठा कि
वह मरे हुओं और जीवतों दोनों का प्रभु हो।

1 कुरिन्थियों 8:1–13

1अब मूरतों के सामने बलि की हुई वस्तुओं के विषय में : हम जानते हैं
कि हम सब को ज्ञान है; ज्ञान घमण्ड उत्पन्न करता है, परन्तु प्रेम से
उन्नति होती है। 2यदि कोई समझे कि मैं कुछ जानता हूं, तो जैसा
जानना चाहिए वैसा अब तक नहीं जानता। 3परन्तु यदि कोई परमेश्वर
से प्रेम रखता है, तो उसे परमेश्वर पहचानता है। 4इसलिए मूरतों के
सामने बलि की हुई वस्तुओं के खाने के विषय में: हम जानते हैं कि
मूरत जगत में कोई वस्तु नहीं, और एक को छोड़ और कोई परमेश्वर
नहीं। 5यद्यपि आकाश में और पृथ्वी पर बहुत से ईश्वर कहलाते हैं (जैसा
कि बहुत से ईश्वर और बहुत से प्रभु हैं)। 6तौभी हमारे निकट तो एक
ही परमेश्वर है; अर्थात् पिता जिसकी ओर से सब वस्तुएं हैं, और हम
उसी के लिए हैं, और एक ही प्रभु है, अर्थात् यीशु मसीह जिसके द्वारा
सब वस्तुएं हुई, और हम भी उसी के द्वारा हैं। 7परन्तु सब को यह ज्ञान
नहीं; परन्तु कई तो अब एक मूरत को कुछ समझने के कारण मूरतों के
सामने बलि की हुई को कुछ वस्तु समझकर खाते हैं, और उनका विवेक
निर्बल होकर अशुध्द होता है। 8भोजन हमें परमेश्वर के निकट नहीं
पहुंचता, यदि हम न खाएं, तो हमारी कुछ हानि नहीं, और यदि खाएं,
तो लाभ नहीं। 9परन्तु चौकस रहो, ऐसा न हो कि तुम्हारी यह स्वतंत्रता
कहीं निर्बलों के लिए ठोकर का कारण हो जाए। 10क्योंकि यदि कोई
तुझ ज्ञानी को मूरत के मन्दिर में भोजन करते देखें, और वह निर्बल जन
हो, तो क्या उसके विवेक में मूरत के सामने बलि की हुई वस्तु के खाने
का हियाव न हो जाएगा। 11इस रीति से तेरे ज्ञान के कारण वह निर्बल
भाई जिसके लिए मसीह मरा, नाश हो जाएगा। 12इसलिए भाइयों का
अपराध करने से और उनके निर्बल विवेक को चोट देने से तुम मसीह

का अपराध करते हो। 13इस कारण यदि भोजन मेरे भाई को ठोकर खिलाए, तो मैं कभी किसी रीति से मांस न खाऊंगा, न हो, कि मैं अपने भाई के ठोकर का कारण बनूं।

1 कुरिन्थियों 9:19–23

[19]क्योंकि सब से स्वतंत्र होने पर भी मैंने अपने आप को सब का दास
बना दिया है, कि अधिक लोगों को खींच लाऊं। [20]मैं यहूदियों के लिए
यहूदी बना कि यहूदियों को खींच लाऊं; जो लोग व्यवस्था के आधीन
हैं, उनके लिए मैं व्यवस्था के आधीन न होने पर भी व्यवस्था के आध
ीन बना, कि उन्हें जो व्यवस्था के आधीन हैं, खींच लाऊं। [21]व्यवस्थाहीनों
के लिए मैं (जो परमेश्वर की व्यवस्था से हीन नहीं, परन्तु मसीह की
व्यवस्था के आधीन हूं) व्यवस्थाहीन सा बना, कि व्यवस्थाहीनों को खींच
लाऊं। [22]मैं निर्बलों के लिए निर्बल सा बना, कि निर्बलों को खींच लाऊं;
मैं सब मनुष्यों के लिए सब कुछ बना हूं, कि किसी न किसी रीति से कई
एक का उद्धार कराऊं। [23]और मैं सब कुछ सुसमाचार के लिए करता हूं,
कि औरों के साथ उसका भागी हो जाऊं।

9
उनकी देह के अंग

9.1 उनकी देह में एक

रोमियों 12:4–8

[4]क्योंकि जैसे हमारी एक देह में बहुत से अंग हैं, और सब अंगों का एक ही सा काम नहीं, [5]वैसा ही हम जो बहुत हैं, मसीह में एक देह होकर आपस में एक दूसरे के अंग हैं। [6]और जबकि उस अनुग्रह के अनुसार जो हमें दिया गया है, हमें भिन्न–भिन्न वरदान मिले हैं, तो जिसको भविष्यद्वाणी का दान मिला हो, वह विश्वास के परिमाण के अनुसार भविष्यद्वाणी करे। [7]यदि सेवा करने का दान मिला हो, तो सेवा में लगा रहे, यदि कोई सिखानेवाला हो, तो सिखाने में लगा रहे। [8]जो उपदेशक हो, वह उपदेश देने में लगा रहे; दान देनेवाला उदारता से दे; जो अगुवाई करे, वह उत्साह से करे; जो दया करे, वह हर्ष से करे।

हमारे मसीह में होने के द्वारा हमारा उस हर एक के साथ मेल हो गया है, जो मसीह में है।

रोमियों 12:5 (एम्प्लिफाईड बाइबल)

वैसा ही हम जो बहुत हैं, मसीह में एक देह होकर आपस में एक दूसरे के अंग हैं।

9.2 कोई भेद नहीं

गलातियों 3:27,28

[27]और तुममें से जितनों ने मसीह में बपतिस्मा लिया है उन्होंने मसीह को पहन लिया है। [28]अब न कोई यहूदी रहा और न यूनानी; न कोई दास, न स्वतंत्र; न कोई नर, न नारी; क्योंकि तुम सब मसीह यीशु में एक हो।

कुलुस्सियों 3:11

उसमें न तो यूनानी रहा, न यहूदी, न खतना, न खतनारहित, न जंगली, न स्कूती, न दास और न स्वतंत्र; केवल मसीह सब कुछ और सब में है।

मसीह में हमारी पहचान हमारी वांशिक, सामाजिक या लिंग संबंधी (स्त्री या पुरुष) पहचान से अधिक श्रेष्ठ है। वंश, सामाजिक दर्जा या लिंग भेद हमें विभाजित नहीं करता।

इफिसियों 1:10

कि समयों के पूरे होने का ऐसा प्रबन्ध हो कि जो कुछ स्वर्ग में है, और जो कुछ पृथ्वी पर है, सब कुछ वह मसीह में एकत्र करे।

इफिसियों 3:6

अर्थात् यह कि मसीह यीशु में सुसमाचार के द्वारा अन्यजातीय लोग मीरास में साझी, और एक ही देह के और प्रतिज्ञा के भागी हैं।

9.3 परस्पर निर्भर

1 कुरिन्थियों 12:12–27

**12क्योंकि जिस प्रकार देह तो एक है और उसके अंग बहुत से हैं, और
उस एक देह के सब अंग, बहुत होने पर भी सब मिलकर एक ही देह
हैं, उसी प्रकार मसीह भी है। 13क्योंकि हम सब ने क्या यहूदी हो, क्या
यूनानी, क्या दास, क्या स्वंतत्र, एक ही आत्मा के द्वारा एक देह होने के
लिए बपतिस्मा लिया, और हम सब को एक ही आत्मा पिलाया गया।
14इसलिए कि देह में एक ही अंग नहीं, परन्तु बहुत से हैं। 15यदि पांव
कहे कि मैं हाथ नहीं, इसलिए देह का नहीं, तो क्या वह इस कारण देह
का नहीं? 16और यदि कान कहे कि मैं आंख नहीं, इसलिए देह का नहीं,
तो क्या वह इस कारण देह का नहीं है? 17यदि सारी देह आंख ही होती,
तो सुनना कहां होता? यदि सारी देह कान ही होती, तो सूंघना कहां**

होता? [18]परन्तु सचमुच परमेश्वर ने अंगों को अपनी इच्छा के अनुसार एक एक करके देह में रखा है। [19]यदि वे सब एक ही अंग होते, तो देह कहां होती? [20]परन्तु अब अंग तो बहुत से हैं, परन्तु देह एक ही है। [21]आंख हाथ से नहीं कह सकती कि मुझे तेरी आवश्यकता नहीं, और न सिर पांवों से कह सकता है कि मुझे तुम्हारी आवश्यकता नहीं। [22]परन्तु देह के वे अंग जो औरों से निर्बल देख पड़ते हैं, बहुत ही आवश्यक हैं। [23]और देह के जिन अंगों को हम आदर के योग्य नहीं समझते हैं, उन्हीं को हम अधिक आदर देते हैं; और हमारे शोभाहीन अंग और भी बहुत शोभायमान हो जाते हैं। [24]फिर भी हमारे शोभायमान अंगों को इसकी आवश्यकता नहीं, परन्तु परमेश्वर ने देह को ऐसा बना दिया है कि जिस अंग को घटी थी उसी को और भी बहुत आदर हो। [25]ताकि देह में फूट न पड़े, परन्तु अंग एक दूसरे की बराबर चिन्ता करें। [26]इसलिए यदि एक अंग दु:ख पाता है, तो सब अंग उसके साथ दु:ख पाते हैं; और यदि एक अंग की बड़ाई होती है, तो उसके साथ सब अंग आनन्द मनाते हैं। [27]इसी प्रकार तुम सब मिलकर मसीह की देह हो, और उसके अलग अलग अंग हो।

मसीह में हमारी पहचान हमारी स्वाभाविक पहचान से अधिक श्रेष्ठ है। हम एक दूसरे पर निर्भर हैं। हम में से हर एक को एक कार्य करना है। हमें हर सदस्य का सम्मान और आदर करना है। जिन्हें सम्मान नहीं मिलता उन्हें परमेश्वर ने अधिक सम्मान दिया है।

1 पतरस 5:14

प्रेम से चुम्बन ले लेकर एक दूसरे को नमस्कार करो। तुम सब को जो मसीह में हो शान्ति मिलती रहे।

हम दूसरों को मान्यता देते हैं जो मसीह यीशु में हैं।

9.4 हम सामुहिक रूप से मसीह के प्रतिनिधि हैं

इफिसियों 1:22,23

[22]और सब कुछ उसके पांवों तले कर दिया, और उसे सब वस्तुओं पर शिरोमणि ठहराकर कलीसिया को दे दिया। [23]यह उसकी देह है, और उसी की परिपूर्णता है, जो सब में सब कुछ पूर्ण करता है।

इफिसियों 1:23 (एम्प्लिफाईड बाइबल)

यह उसकी देह है, और उसी की परिपूर्णता है, जो सब में सब कुछ पूर्ण करता है।

हम संसार के लिए सामुहिक रूप से मसीह के प्रतिनिधि हैं। हम पृथ्वी पर उसकी देह है।

9.5 परमेश्वर का निवास स्थान बनने के लिए एक साथ बनाए गए

इफिसियों 2:21,22

[21]जिसमें सारी रचना एक साथ मिलकर प्रभु में एक पवित्र मन्दिर बनती जाती है, [22]जिसमें तुम भी आत्मा के द्वारा परमेश्वर का निवासस्थान होने के लिए एक साथ बनाए जाते हो।

1 पतरस 2:5

तुम भी आप जीवित पत्थरों के समान आत्मिक घर बनते जाते हो, जिससे याजकों का पवित्र समाज बनकर, ऐसे आत्मिक बलिदान चढ़ाओं, जो यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर को ग्राह्य हैं।

हम पृथ्वी पर परमेश्वर का निवास स्थान हैं। हमें मसीह यीशु के द्वारा परमेश्वर को ग्रहण योग्य आत्मिक बलिदान चढ़ाने हैं।

9.6 स्थानीय कलीसियाएं मसीह में हैं

गलातियों 1:22

परन्तु यहूदिया की कलीसियाओं ने जो मसीह में थीं, मेरा मुंह तो कभी नहीं देखा था।

1 थिस्सलुनीकियों 2:14

इसलिए कि तुम, हे भाइयो, परमेश्वर की उन कलीसियाओं के समान चाल चलने लगे, जो यहूदिया में मसीह यीशु में है, क्योंकि तुमने भी अपने लोगों से वैसा ही दुख पाया, जैसा उन्होंने यहूदियों से पाया था।

10
उनमें हमारी मिरास

इफिसियों 1:11,12

[11]उसी में जिसमें हम भी उसी की मनसा से जो अपनी इच्छा के मत के अनुसार सब कुछ करता है, पहले से ठहराए जाकर मीरास बने, [12]ताकि हम जिन्होंने पहले से मसीह पर आशा रखी थी, उसकी महिमा की स्तुति के कारण हों।

मिरास = दूसरे को सम्पत्ति के रूप में देना, विरासत

परमेश्वर ने हमें यह मिरास या विरासत इसलिए दी है ताकि हमारे द्वारा उन्हें धन्यवाद मिले।

यहां पर विभिन्न बातें हैं जिन्हें हम अपनी विरासत या "मिरास" कह सकते हैं – परमेश्वर की भली बातें, उनके अनुग्रह की भरपूरी और बुद्धि हमें मसीह में दी गई हैं।

10.1 परमेश्वर की संतान

गलतियों 3:26

क्योंकि तुम सब उस विश्वास करने के द्वारा जो मसीह यीशु पर है, परमेश्वर की सन्तान हो।

10.2 परमेश्वर की प्रतिज्ञा

2 तीमुथियुस 1:1

पौलुस की ओर से जो उस जीवन की प्रतिज्ञा के अनुसार जो मसीह यीशु में हैं, परमेश्वर की इच्छा से मसीह यीशु का प्रेरित है।

1 यूहन्ना 5:20

और यह भी जानते हैं कि परमेश्वर का पुत्र आ गया है और उसने हमें समझ दी है, कि हम उस सच्चे को पहचानें, और हम उसमें जो सत्य है, अर्थात् उसके पुत्र यीशु मसीह में रहते हैं; सच्चा परमेश्वर और अनन्त जीवन यही है।

उन्हें (मसीह को) जानना और उनमें होना अनंत जीवन है।

10.3 मसीह के साथ संगी वारिस

रोमियों 8:17

और यदि सन्तान हैं, तो वारिस भी, वरन् परमेश्वर के वारिस और मसीह के संगी वारिस हैं, जबकि हम उसके साथ दुख उठाएं कि उसके साथ महिमा भी पाएं।

परमेश्वर के वारिस होने का अर्थ है हम उस मिरास के भागी होंगे जो परमेश्वर अपने लोगों को देते हैं। हम मसीह में हैं और इस तरह हम उनकी महिमा और उनकी मिरास में भागी होते हैं।

कुलुस्सियों 1:12

और पिता का धन्यवाद करते रहो, जिसने हमें इस योग्य बनाया कि ज्योति में पवित्र लोगों के साथ मीरास में समभागी हों।

प्रेरितों के काम 20:32

और अब मैं तुम्हें परमेश्वर को, और उसके अनुग्रह के वचन को सौंप देता हूं, जो तुम्हारी उन्नति कर सकता है, और सब पवित्रों मेें साझी करके मीरास दे सकता है।

10.4 मसीह में परमेश्वर का प्रेम

रोमियों 8:35–39

[35]कौन हमको मसीह के प्रेम से अलग करेगा? क्या क्लेश, या संकट, या
उपद्रव, या अकाल, या नंगाई, या जोखिम, या तलवार? [36]जैसा लिखा है
कि तेरे लिए हम दिन भर घात किए जाते हैं, हम वध होनेवाली भेड़ो
के समान गिने गए हैं। [37]परन्तु इन सब बातों में हम उसके द्वारा जिसने
हमसे प्रेम किया है, जयवन्त से भी बढ़कर हैं। [38]क्योंकि मैं निश्चय
जानता हूं कि न मृत्यु, न जीवन, न स्वर्गदूत, न प्रधानताएं, न वर्तमान,
न भविष्य, न सामर्थ, न ऊंचाई, 39न गहिराई और न कोई और सृष्टि
हमें परमेश्वर के प्रेम से, जो हमारे प्रभु मसीह यीशु में है, अलग कर
सकेगी।

यूहन्ना 17:23

मैं उनमें और तू मुझ में कि वे सिद्ध होकर एक हो जाएं, और जगत जाने कि तू ही ने मुझे भेजा, और जैसा तू ने मुझ से प्रेम रखा, वैसा ही उनसे प्रेम रखा।

पिता हमसे वैसा ही प्रेम करते हैं, जैसा उन्होंने यीशु से किया। यह एक अद्भुत सच्चाई है!

10.5 आत्मा की छाप लगी है

इफिसियों 1:13,14

[13]और उसी में तुम पर भी, जब तुमने सत्य का वचन सुना, जो तुम्हाने
उद्धार का सुसमाचार है, और जिस पर तुमने विश्वास किया, प्रतिज्ञा किए
हुए पवित्र आत्मा की छाप लगी। [14]वह उसके मोल लिए हुओं के छुटकारे
के लिए हमारी मीरास का बयाना है, ताकि उसकी महिमा की स्तुति हो।

छाप या मुहर लगी है *Sphragizo* (यूनानी)	=	सुरक्षा या प्रतिरक्षा के लिए छाप अथवा मुहर लगाना। (अंगूठी से या निजी चिन्ह)।
बयाना *arrhabo* (यूनानी)	=	वचनपत्र, अर्थात खरीदी मूल्य या अग्रीम दी गई सम्पत्ति, बाकी बची संपत्ति के लिए जमानत या प्रतिभूति

10.6 मसीह में सुरक्षित

यहूदा 1:1

[1]आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। 2यही आदि में परमेश्वर के साथ था।

हम मसीह यीशु में बुलाए गए और सुरक्षित किए गए हैं।

सुरक्षित करना = सावधानी के साथ ध्यान देना, संभालना, रखवाली करना, जिस स्थिति में व्यक्ति है, उसमें उसे रखना

10.7 उनमें दृढ़ किए गए

2 कुरिन्थियों 1:21

क्योंकि जब मनुष्य के द्वारा मृत्यु आयी, तो मनुष्य ही के द्वारा मरे हुओं का पुनरुत्थान भी आया।

दृढ़ करना = स्थिर करना, स्थापित करना

10.8 सनातन योजना का भाग

इफिसियों 3:11

उस सनातन मनसा के अनुसार, जो उसने हमारे प्रभु मसीह यीशु में की थी।

2 तीमुथियुस 1:9

जिसने हमारा उद्धार किया, और पवित्र बुलाहट से बुलाया, और यह हमारे कामों के अनुसार नहीं, परंतु अपनी मनसा और उस अनुग्रह के अनुसार है, जो मसीह यीशु में सनातन से हम पर हुआ है।

फिलिप्पियों 3:14

निशाने की ओर दौड़ा चला जाता हूं, ताकि वह इनाम पाऊं, जिसके लिए परमेश्वर ने मुझे मसीह यीशु में ऊपर बुलाया है।

10.9 परमेश्वर का ज्ञान

1 कुरिन्थियों 1:30

परन्तु उसी की ओर से तुम मसीह यीशु में हो, जो परमेश्वर की ओर से हमारे लिए ज्ञान ठहरा अर्थात् धर्म, और पवित्रता, और छुटकारा।

कुलुस्सियों 2:3

जिसमें बुद्धि और ज्ञान के सारे भण्डार छिपे हुए हैं।

10.10 परमेश्वर की भरपूरी

कुलुस्सियों 1:19

क्योंकि पिता की प्रसन्नता इसी में है कि उसमें सारी परिपूर्णता वास करे।

कुलुस्सियों 2:9,10

9क्योंकि उसमें ईश्वरत्व की सारी परिपूर्णता सदेह वास करती है; 10और तुम उसी में भरपूर हो गए हो, जो सारी प्रधानता और अधिकार का शिरोमणि है।

भरपूरी *Pleroma* (यूनानी) = परिपूर्ति या पूर्णता, अर्थात, जो भर देती है (संतुष्ट करती, संपूरक, प्रचूर, बहुसंख्य) जो भर देने के लिए डाली गई है।

भरपूर *pleroo* (यूनानी) = परिपूर्ति करना, अर्थात ठूंस कर भर देना, समतल करना, जुटाना, सुसज्जित करना (व्याप्त करना, बहाना, प्रभावित करना), संतुष्ट करना, भर देना।

यूहन्ना 1:16

क्योंकि उसकी परिपूर्णता से हम सब ने प्राप्त किया अर्थात् अनुग्रह पर अनुग्रह।

हम मसीह में परिपूर्ण (भरपूर) हैं।

इफिसियों 3:14—19

**[14]मैं इसी कारण उस पिता के सामने घुटने टेकता हूं, [15]जिससे स्वर्ग और
पृथ्वी पर, हर एक घराने का नाम रखा जाता है, [16]कि वह अपनी महिमा
के धन के अनुसार तुम्हें यह दान दे कि तुम उसके आत्मा से अपने
भीतरी मनुष्यत्व में सामर्थ पाकर बलवन्त होते जाओ, [17]और विश्वास के
द्वारा मसीह तुम्हारे हृदय में बसे कि तुम प्रेम में जड़ पकड़कर और नेव
डाल कर, [18]सब पवित्र लोगों के साथ भली भांति समझने की शक्ति
पाओ, कि उसकी चौड़ाई, और लम्बाई, और ऊंचाई, और गहराई कितनी
है। [19]और मसीह के उस प्रेम को जान सको जो ज्ञान से परे है, ताकि
तुम परमेश्वर की सारी भरपूरी तक परिपूर्ण हो जाओ।**

इफिसियों 4:13

जब तक कि हम सब के सब विश्वास, और परमेश्वर के पुत्र की पहचान में एक न हो जाएं, और एक सिद्ध मनुष्य न बन जाएं और मसीह के पूरे डील डौल तक न बढ़ जाएं।

"परमेश्वर की भरपूरी" जो मसीह में है, हम में होनी चाहिए, और हममें प्रगट होनी चाहिए।

"परमेश्वर की भरपूरी" और "मसीह की भरपूरी" इफिसियों की पत्री में समानार्थी शब्द हैं। (मसीह की भरपूरी) का प्रकटन मसीह का वह जीवन है, जो उन्होंने पृथ्वी पर बिताया।

10.11 सारी प्रतिज्ञाओं के लिए हां

2 कुरिन्थियों 1:19,20

[19]क्योंकि परमेश्वर का पुत्र यीशु मसीह जिसका हमारे द्वारा अर्थात् मेरे और सिलवानुस और तीमुथियुस के द्वारा तुम्हारे बीच में प्रचार हुआ, उसमें हां और नहीं दोनों न थीं; परतु उसमें हां ही हां हुई। [20]क्योंकि परमेश्वर की जितनी प्रतिज्ञाएं हैं, वे सब उसी में हां के साथ हैं। इसलिए उसके द्वारा आमीन भी हुई कि हमारे द्वारा परमेश्वर की महिमा हो।

परमेश्वर की सारी प्रतिज्ञाओं को पूरी होते देखना हमारा अधिकार है, ताकि हमारे द्वारा परमेश्वर की महिमा हो।

10.12 अब अन्धापन नहीं

2 कुरिन्थियों 3:14

परन्तु वे मतिमन्द हो गए, क्योंकि आज तक पुराने नियम के पढ़ते समय उनके हृदयों पर वही परदा पड़ा रहता है; पर वह मसीह में उठ जाता है।

जो पहले अस्पष्ट और धुंधला था, अब स्पष्ट है। पुराने नियम की भविष्यद्वाणियों को हम पूर्ण रूप से समझते हैं और ये भविष्यद्वाणियां मसीह में पूरी होती दिखाई देती हैं।

10.13 मसीह में सीधाई

2 कुरिन्थियों 11:3

परन्तु मैं डरता हूं कि जैसे सांप ने अपनी चतुराई से हव्वा को बहकाया, वैसे ही तुम्हारे मन उस सीधाई और पवित्रता से जो मसीह के साथ होनी चाहिए कहीं भ्रष्ट न किए जाएं।

सीधाई *haplotes* (यूनानी) = एकनिष्ठता, सरलता, खराई, मानसिक ईमानदारी

= उस व्यक्ति का नैतिक गुण जो पाखण्ड से मुक्त है।

= जो स्वार्थ से मुक्त है, हृदय की निष्कपटता जो उदारता से प्रगट होती है।

1 तीमुथियुस 1:14

उस वरदान से जो तुझ में है, और भविष्यद्वाणी के द्वारा प्राचीनों के हाथ रखते समय तुझे मिला था, निश्चिन्त मत रह।

2 तीमुथियुस 1:13

जो खरी बातें तू ने मुझ से सुनी हैं, उनको उस विश्वास और प्रेम के साथ जो मसीह यीशु में है, अपना आदर्श बनाकर रख।

मसीह में जीवन सरल है। हम सरलता और सादगी के साथ विश्वास और प्रेम में चलते हैं जो मसीह में है।

10.14 'अब्राहम' की वाचा के वारिस

गलतियों 3:16,17,29

[16]निदान, प्रतिज्ञाएं इब्राहीम को, और उसके वंश को दी गईं। वह यह नहीं कहता, कि वंशों को; जैसे बहुतों के विषय में कहा, पर जैसे एक के विषय में कि तेरे वंश को; और वह मसीह है। [17]पर मैं यह कहता हूं, कि जो वाचा परमेश्वर ने पहले से पक्की की थी, उसको व्यवस्था चार सौ तीस बरस के बाद आकर नहीं टाल देती, कि प्रतिज्ञा व्यर्थ ठहरे।
[29]और यदि तुम मसीह के हो, तो इब्राहीम के वंश और प्रतिज्ञा के अनुसार वारिस भी हो।

जिन आशीषों की प्रतिज्ञा अब्राहम को की गई थी, वे आशीषें 'अब्राहम की वाचा' के एक भाग के रूप में आज हमारे लिए हैं।

- सभी बातों में आशीषें – जीवन के सभी क्षेत्र में (उत्पत्ति 12:1–3; उत्पत्ति 24:1,35; व्यवस्थाविवरण 8:18)।
- राष्ट्रों के लिए आशीष बनने हेतु आशीष (उत्पत्ति 12:1–3)।
- विश्वास से धार्मिकता (रोमियों 4:3)।
- परमेश्वर के साथ मित्रता (याकूब 2:23)।
- शत्रुओं पर विजय (उत्पत्ति 22:16,17)।

10.15 सामर्थ देने वाला अनुग्रह

2 तीमुथियुस 2:1

इसलिए हे मेरे पुत्र, तू उस अनुग्रह से जो मसीह यीशु में है, बलवन्त हो जा।

10:16 पुनरुत्थान

1 कुरिन्थियों 15:22

और जैसे आदम में सब मरते हैं, वैसे ही मसीह में सब जिलाए जाएंगे।

1 थिस्सलुनीकियों 4:16

क्योंकि प्रभु आप ही स्वर्ग से उतरेगा; उस समय ललकार, और प्रधान दूत का शब्द सुनाई देगा, और परमेश्वर की तुरही फूंकी जाएगी, और जो मसीह में मरे हैं, वे पहले जी उठेंगे।

11
'मसीह में' वाला जीवन जीना

2 कुरिन्थियों 5:17,18

[17]इसलिए यदि कोई मसीह में है, तो वह नई सृष्टि है। पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो, वे सब नई हो गई। [18]और सब बातें परमेश्वर की ओर से हैं, जिसने मसीह के द्वारा अपने साथ हमारा मेल मिलाप कर लिया, और मेल मिलाप की सेवा हमें सौंप दी है।

यीशु में सरल विश्वास की वजह से, परमेश्वर ने इन सारी अद्भुत बातों को हमारे लिए, हमारे प्रति किया है – हमें मसीह के साथ एकता में लाकर। मसीह में परमेश्वर ने हमारे लिए जो कुछ किया है, वे आत्मिक सच्चाइयां हैं – आत्मिक तथ्य। हम इससे अधिक उसमें और कुछ नहीं जोड़ सकते।

इब्रानियों 13:21

तुम्हें हर एक भली बात में सिद्ध करे, जिससे तुम उसकी इच्छा पूरी करो, और जो कुछ उसको भाता है, उसे यीशु मसीह के द्वारा हममें उत्पन्न करे, जिसकी बड़ाई युगानुयुग होती रहे। आमीन।

यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर मुझमें कार्य करते हैं!

विचार करने योग्य कुछ प्रश्न

- जो कुछ परमेश्वर ने मेरे लिए किया है, और मसीह में मुझे दिया है, उसके साथ परमेश्वर क्या चाहते हैं कि मैं करूं?
- मसीह–में वाला जीवन बिताने के लिए मुझे क्या करने की ज़रूरत है?

- मसीह के साथ मेरी एकात्मता में मैं कैसे जीता हूं?
- अपने प्रतिदिन के जीवन में जो कुछ परमेश्वर ने मसीह में मेरे लिए किया है, उसे मैं कैसे अनुभव करता हूं?

कुलुस्सियों 2:6–10

[6]इसलिए जैसे तुमने मसीह यीशु को प्रभु करके ग्रहण कर लिया है, वैसे ही उसी में चलते रहो। [7]और उसी में जड़ पकड़ते और बढ़ते जाओ; और जैसे तुम सिखाए गए वैसे ही विश्वास में दृढ़ होते जाओ, और अत्यन्त धन्यवाद करते रहो। [8]चौकस रहो कि कोई तुम्हें उस तत्व–ज्ञान और व्यर्थ धोखे के द्वारा अहेर न कर ले, जो मनुष्यों के परम्पराई मत और संसार की आदि शिक्षा के अनुसार है, परंतु मसीह के अनुसार नहीं। [9]क्योंकि उसमें ईश्वरत्व की सारी परिपूर्णता सदेह वास करती है; [10]और तुम उसी में भरपूर हो गए हो, जो सारी प्रधानता और अधिकार का शिरोमणि है।

11.1 उनमें चलें

कुलुस्सियों 2:6

इसलिए जैसे तुमने मसीह यीशु को प्रभु करके ग्रहण कर लिया है, वैसे ही उसी में चलते रहो।

चलना *peripateo* (यूनानी)= सब तरफ पैर रखना, अर्थात जीना, आचरण करना, पीछे चलना, जाना, के साथ व्यस्त रहना

प्रेरितों के काम 17:28

क्योंकि हम उसी में जीवित रहते, और चलते–फिरते, और स्थिर रहते हैं; जैसा तुम्हारे कितने कवियों ने भी कहा है, कि हम तो उसी के वंश भी हैं।

1 यूहन्ना 2:5,6

5परंतु जो कोई उसके वचन पर चले, उसमें सचमुच परमेश्वर का प्रेम सिद्ध हुआ है। हमें इसी से मालूम होता है, कि हम उसमें हैं। 6जो कोई यह कहता है कि मैं उसमें बना रहता हूं, उसे चाहिए कि आप भी वैसा ही चले जैसा वह चलता था।

जिस तरह यीशु पिता के साथ एकता में चलें, उसी तरह हमें भी यीशु के साथ एकता में चलने की आवश्यकता है।

यूहन्ना 5:19,20

[19]इस पर यीशु ने उनसे कहा, "मैं तुमसे सच सच कहता हूं, पुत्र आप से कुछ नहीं कर सकता, केवल वही जो पिता को करते देखता है, क्योंकि जिन जिन कामों को वह करता है, उन्हें पुत्र भी उसी रीति से करता है। [20]क्योंकि पिता पुत्र से प्रीति रखता है और जो जो काम वह आप करता है वह सब उसे दिखाता है; और वह इनसे भी बड़े काम उसे दिखाएगा, ताकि तुम अचम्भा करो।

यूहन्ना 8:28,29

[28]तब यीशु ने कहा, जब तुम मनुष्य के पुत्र को ऊंचे पर चढ़ाओगे, तो जानोगे कि मैं वही हूं, और अपने आपसे कुछ नहीं करता, परन्तु जैसे मेरे पिता ने मुझे सिखाया, वैसे ही ये बातें कहता हूं। [29]और मेरा भेजनेवाला मेरे साथ है; उसने मुझे अकेला नहीं छोड़ा, क्योंकि मैं सर्वदा वही काम करता हूं, जिससे वह प्रसन्न होता है।

पौलुस ने मसीह में अपने मार्गों – चालचलन के विषय में कहा।

- मसीह में मेरा चालचलन – इसलिए मैंने तीमुथियुस को जो प्रभु में मेरा प्रिय और विश्वासयोग्य पुत्र है, तुम्हारे पास भेजा है, और वह तुम्हें मसीह में मेरा चरित्र स्मरण कराएगा, जैसे कि मैं हर जगह हर एक कलीसिया में उपदेश करता हूं (1 कुरिन्थियों 4:17)।

- हम मसीह में बोलते हैं – क्योंकि हम उन बहुतों के समान नहीं, जो परमेश्वर के वचन में मिलावट करते हैं; परन्तु मन की सच्चाई से, और परमेश्वर की ओर से परमेश्वर को उपस्थित जानकर मसीह में बोलते हैं (2 कुरिन्थियों 2:17); मैं सच कहता हूं, झूठ नहीं बोलता, कि मैं इसी उद्देश्य से प्रचारक और प्रेरित और अन्यजातियों के लिए विश्वास और सत्य का उपदेशक ठहराया गया (1 तीमुथियुस 2:7)।
- मसीह में मेरे बंधन – यहां तक कि कैसरी राज्य की सारी पलटन और शेष सब लोगों में यह प्रगट तो हो गया है कि मैं मसीह के लिए कैद हूं (फिलिप्पियों 1:13); इपफ्रास, जो मसीह यीशु में मेरे साथ कैदी है (फिलेमोन 1:23)।
- मसीह में हियाव – इसलिए यद्यपि मुझे मसीह में बड़ा हियाव तो है, कि जो बात ठीक है, उनकी आज्ञा तुझे दूं (फिलेमोन 1:8)।

इन पदों से तथा अन्य कई पदों से, हम देखते हैं कि प्रेरित पौलुस में मसीह में होने की गहरी समझ थी और जो कुछ वह करता था, उसे वह उस एकात्मता में से प्रवाहित होते हुए देखता था, जो मसीह के साथ थी।

1 पतरस 3:16

और विवेक भी शुद्ध रखो, इसलिए कि जिन बातों के विषय में तुम्हारी बदनामी होती है, उनके विषय में वे जो तुम्हारे मसीही अच्छे चालचलन का अपमान करते हैं, लज्जित हों।

हमें मसीह में 'शुद्ध विवेक रखना है।'

1 कुरिन्थियों 8:6

तौभी हमारे निकट तो एक ही परमेश्वर है; अर्थात् पिता जिसकी ओर से सब वस्तुएं हैं, और हम उसी के लिए हैं, और एक ही प्रभु है, अर्थात् यीशु मसीह जिसके द्वारा सब वस्तुएं हुई, और हम भी उसी के द्वारा हैं।

जो कुछ हम हैं, वह सब मसीह की वजह से है।

11.2 उनमें जड़ पकड़ें

कुलुस्सियों 2:7

और उसी में जड़ पकड़ते और बढ़ते जाओ; और जैसे तुम सिखाए गए वैसे ही विश्वास में दृढ़ होते जाओ, और अत्यन्त धन्यवाद करते रहो।

जड़ पकड़ना *rhizoo* (यूनानी) = जड़ पकड़ना (स्थिर होना)

आपके अस्तित्व की जड़ें मज़बूत रूप से मसीह में दृढ़ हों।

आपकी जड़ें यीशु मसीह के व्यक्तित्व में फैलती जाएं – फिरकों, सेवकाई, दर्शन, विशिष्ट प्रकार की शिक्षा में नहीं – परंतु यीशु मसीह के व्यक्तित्व में।

11.3 बढ़ते जाएं

कुलुस्सियों 2:7

और उसी में जड़ पकड़ते और बढ़ते जाओ; और जैसे तुम सिखाए गए वैसे ही विश्वास में दृढ़ होते जाओ, और अत्यन्त धन्यवाद करते रहो।

बढ़ते जाना *epoikodomeo* (यूनानी) = बढ़ते जाना, पाला जाना

मसीह में आत्मिक उन्नति के हम तीन विभिन्न स्तर देखते हैं।

- आत्मिक जन्म – क्योंकि यदि मसीह में तुम्हारे सिखानेवाले दस हजार भी होते, तौभी तुम्हारे पिता बहुत से नहीं, इसलिए कि मसीह यीशु में सुसमाचार के द्वारा मैं तुम्हारा पिता हुआ (1 कुरिन्थियों 4:15)।

- मसीह में बालक – हे भाइयो, मैं तुमसे इस रीति से बातें न कर सका, जैसे आत्मिक लोगों से, परन्तु जैसे शारीरिक लोगों से, और उनसे जो मसीह में बालक हैं (1 कुरिन्थियों 3:1)।
- मसीह में परिपक्व (सिद्ध) – उसका प्रचार करके हम हर एक मनुष्य को जता देते हैं, और सारे ज्ञान से हर एक मनुष्य को सिखाते हैं कि हम हर व्यक्ति को मसीह में सिद्ध करके उपस्थित करें (कुलुस्सियों 1:28)।

इफिसियों 4:13

जब तक कि हम सब के सब विश्वास, और परमेश्वर के पुत्र की पहचान में एक न हो जाएं, और एक सिद्ध मनुष्य न बन जाएं और मसीह के पूरे डील डौल तक न बढ़ जाएं।

इफिसियों 4:15

वरन् प्रेम से सच्चाई से चलते हुए, सब बातों में उसमें जो सिर है, अर्थात् मसीह में बढ़ते जाएं।

11.4 उनमें बने रहें

यूहन्ना 15:1–8

**1सच्ची दाखलता मैं हूं; और मेरा पिता किसान है। 2जो डाली मुझ में है,
और नहीं फलती, उसे वह काट डालता है, और जो फलती है, उसे वह
छांटता है ताकि फले। 3तुम तो उस वचन के कारण जो मैंने तुमसे कहा
है, शुद्ध हो। 4तुम मुझ में बने रहो, और मैं तुममें; जैसे डाली यदि
दाखलता में बनी न रहे, तो अपने आप से नहीं फल सकती, वैसे ही तुम
भी यदि मुझ में बने न रहो तो नहीं फल सकते। 5मैं दाखलता हूं, तुम
डालियां हो; जो मुझ में बना रहता है, और मैं उसमें, वह बहुत फल
फलता है, क्योंकि मुझ से अलग होकर तुम कुछ भी नहीं कर सकते।
6यदि कोई मुझ में बना न रहे, तो वह डाली के समान फेंक दिया जाता,
और सूख जाता है; और लोग उन्हें बटोरकर आग में झोंक देते हैं; और
वे जल जाती हैं। 7यदि तुम मुझ में बने रहो, और मेरी बातें तुममें बनी**

रहें तो जो चाहो मांगो, और वह तुम्हारे लिए हो जाएगा। [8]मेरे पिता की महिमा इसी से होती है कि तुम बहुत सा फल लाओ, तब ही तुम मेरे चेले ठहरोगे।

बने रहना *meno* (यूनानी)	=	मूल क्रिया; रहना (दिए गए स्थान में, दशा, रिश्ते या प्रत्याशा में), जारी रहना, वास करना, सहना, उपस्थित रहना, बने रहना, खड़े रहना, रुके रहना, आदि।

1 यूहन्ना 2:28

निदान, हे बालको, उसमें बने रहो, कि जब वह प्रगट हो, तो हमें हियाव हो, और हम उसके आने पर उसके सामने लज्जित न हों।

1 यूहन्ना 4:13

इसी से हम जानते हैं कि हम उसमें बने रहते हैं, और वह हममें; क्योंकि उसने अपने आत्मा में से हमें दिया है।

1 यूहन्ना 4:15

जो कोई यह मान लेता है कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है, परमेश्वर उसमें बना रहता है, और वह परमेश्वर में।

11.4.1. जब हम मसीह में बने रहते हैं, तब कुछ आचरण के विशेष गुण प्रकट होंगे

(अ) हम मसीह का मन पाएंगे – जैसा मसीह यीशु का स्वभाव था वैसा ही तुम्हारा भी स्वभाव हो (फिलिप्पियों 2:5)।

(ब) सब बातों में हम धन्यवाद देते हैं – हर बात में धन्यवाद करो, क्योंकि तुम्हारे लिए मसीह यीशु में परमेश्वर की यही इच्छा है (1 थिस्सलुनीकियों 5:18)।

(क) आत्मा हमें सिखाता है – और तुम्हारा वह अभिषेक, जो उसकी ओर से किया गया, तुममें बना रहता है; और तुम्हें इसका प्रयोजन नहीं कि कोई तुम्हें सिखाए, वरन् जैसे वह अभिषेक जो उसकी ओर से किया गया, तुम्हें सब बातें सिखाता है; और यह सच्चा है, और झूठा नहीं। और जैसा उसने तुम्हें सिखाया है, वैसे ही तुम उसमें बने रहते हो (1 यूहन्ना 2:27)।

(ड) हम आज्ञाकारिता में चलते हैं – और जो उसकी आज्ञाओं को मानता है, वह इसमें, और यह उसमें बना रहता है; और इसी से, अर्थात् उस आत्मा से जो उसने हमें दिया है, हम जानते हैं कि वह हममें बना रहता है (1 यूहन्ना 3:24)।

(इ) हम पवित्रता में चलते हैं – और तुम जानते हो कि वह इसलिए प्रगट हुआ, कि पापों को हर ले जाए; और उसके स्वभाव में पाप नहीं। जो कोई उसमें बना रहता है, वह पाप नहीं करता; जो कोई पाप करता है, उसने न तो उसे देखा है, और न उसको जाना है (1 यूहन्ना 3:5,6)।

11.5 उस हर एक भली बात का अंगीकार करें जो आपने उनमें पाई है

फिलेमोन 1:6

कि तेरा विश्वास में सहभागी होना तुम्हारी सारी भलाई की पहचान में मसीह के लिए प्रभावशाली हो।

उपयोग

1. उस हर एक भली बात का अंगीकार करें जो आपने उनमें पाई है।
2. अपने अधिकारों को जानें और अपने स्थान में दृढ़ खड़े रहें।

मसीह में मेरा चित्र

(आप मसीह में कौन है यह लिखें)

ऑल पीपल्स चर्च के साथ साझेदारी करें

ऑल पीपल्स चर्च स्थानीय कलीसिया के रूप में सम्पूर्ण भारत में सुसमाचार प्रचार करते हुए, विशेषकर उत्तर भारत में, उसकी सीमाओं से परे सेवा करता है। उसका विशेष लक्ष्य (अ) अगुवों को दृढ़ करना, (ब) जवानों को सेवकाई के लिए सुसज्जित करना और (क) मसीह की देह की उन्नति करना है। जवानों के लिए कई प्रशिक्षण सम्मेलन, मसीही अगुवों के लिए सभाओं का सम्पूर्ण वर्ष भर आयोजन किया जाता है। इसके अतिरिक्त, पुस्तकों की कई हजारों प्रतियां अंग्रेजी में और अन्य कई भारतीय भाषाओं में विनामूल्य वितरीत की जाती हैं, उसके पीछे उद्‌देश्य यह है कि विश्वासियों को वचन और आत्मा में उन्नति प्रदान करें।

हम आपको निमंत्रण देते हैं कि एक समय का दान भेजकर या मासिक आर्थिक दान भेजकर आर्थिक रूप से हमारे साथ साझेदारी करें। सम्पूर्ण राष्ट्र में इस कार्य के लिए जो भी रकम आप भेज सकते हैं, उसके लिए हम आपके प्रति कृतज्ञ रहेंगे।

आप अपने दान चेक/बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से ''ऑल पीपल्स चर्च, बैंगलोर'' के नाम पर हमारे कार्यालय के पते पर भेज सकते हैं। अन्यथा हमारे बैंक खाते के विवरण का उपयोग कर आप अपना योगदान सीधे बैंक में डाल सकते हैं।

Account Name: All Peoples Church
Account Number: 0057213809
IFSC Code: CITI0000004
Bank: Citibank N.A., No. 5, M.G. Road, Bengaluru, Karnataka 560001

कृपया ध्यान दें : ऑल पीपल्स चर्च के पास एफसीआरए परमिट नहीं है और इस कारण केवल भारतीय नागरिकों के बैंक योगदान ही स्वीकार किए जा सकते हैं। अपना दान भेजते समय, आप स्पष्ट रूप से लिखें कि आप एपीसी सेवकाई के किस क्षेत्र के लिए दान भेजना चाहते हैं। अतिरिक्त जानकारी के लिए कृपया इस स्थान को भेंट दें **apcwo.org/give**

उसी तरह, हमारे लिए और हमारी सेवकाई के लिए जब भी हो सके, प्रार्थना करना न भूलें।

धन्यवाद और परमेश्वर आपको आशीष दे!

ऑल पीपल्स चर्च के विनामूल्य प्रकाशन

A Church in Revival*
A Real Place Called Heaven
A Time for Every Purpose
Ancient Landmarks*
Baptism in the Holy Spirit
Being Spiritually Minded and Earthly Wise*
Biblical Attitude Towards Work
Breaking Personal and Generational Bondages
Change*
Code Of Honor
Divine Favor*
Divine Order in the Citywide Church
Don't Compromise Your Calling*
Don't Lose Hope
Equipping the Saints
Foundations (Track 1)
Fulfilling God's Purpose for Your Life
Gifts of the Holy Spirit
Giving Birth to the Purposes of God*
God is a Good God
God's Word
How to Help Your Pastor
Integrity
Kingdom Builders
Laying the Axe to the Root
Living Life Without Strife*
Marriage and Family
Ministering Healing and Deliverance
Offenses - Don't take them
Open Heavens*
Our Redemption
Receiving God's Guidance
Revivals, Visitations and Moves of God
Shhh!!! No Gossip
The Conquest of the Mind
The Father's Love
The House of God
The Kingdom of God
The Night Seasons of Life
The Power of Commitment*
The Presence of God
The Redemptive Heart of God
The Refiner's Fire
The Spirit of Wisdom, Revelation and Power*
The Wonderful Benefits of speaking in Tongues
The Father's Love
Timeless Principles for the Workplace
Understanding the Prophetic
Water Baptism
We Are Different*
Who We Are in Christ
Women in the Workplace
Work - Its Original Design

उपर्युक्त सभी पुस्तकों के पीडीएफ संस्करण विनामूल्य डाऊनलोड के लिए हमारी कलीसिया के वेबसाईट **apcwo.org/publications** पर उपलब्ध हैं। इनमें से कई पुस्तकें अन्य भाषाओं में भी उपलब्ध हैं। इन पुस्तकों की आपकी विनामूल्य मुद्रित प्रति प्राप्त करने हेतु, **bookrequest@apcwo.org** पर ई-मेल भेजें। *केवल पी डी एफ के रूप में उपलब्ध
वैसे ही, विनामूल्य ऑडियो और वीडियो संदेशों, संदेश की टिप्पणियों, और अन्य कई संसाधनों के लिए हमारे वेबसाईट **(apcwo.org/sermons)** को भेंट दें।

ऑल पीपल्स चर्च के विषय में

ऑल पीपल्स चर्च (एपीसी) का दर्शन बैंगलोर शहर में नमक और ज्योति, और भारत देश और संसार के राष्ट्रों के लिए एक आवाज़ बनना है।

एपीसी में हम परमेश्वर का सम्पूर्ण वचन बिना किसी समझोते के साथ पवित्र आत्मा के अभिषेक और प्रकाशन के साथ प्रस्तुत करने के प्रति समर्पित हैं। हमारा विश्वास है कि अच्छा संगीत, रचनात्मक प्रस्तुति, बुद्धिमानीपूर्ण पक्ष समर्थन, समकालीन सेवकाई की तकनीकें, आधुनिक तंत्रविज्ञान आदि पवित्र आत्मा के चिन्हों, चमत्कारों, आश्चर्यकर्मों और पवित्र आत्मा के वरदानों के साथ वचन की घोषणा करने की परमेश्वर द्वारा नियुक्त पद्धति का स्थान नहीं ले सकते (1 कुरिन्थियों 2:4, 5; इब्रानियों 2:3, 4)। हमारा विषय यीशु है, हमारी विषयवस्तु वचन है, हमारी पद्धति पवित्र आत्मा की सामर्थ है, हमारा आवेश लोग हैं, और हमारा लक्ष्य मसीह सदृश्य परिपक्वता है।

हमारा मुख्यालय बैंगलोर में है, परंतु ऑल पीपल्स चर्च की भारत की अन्य कई स्थानों में शाखाएं हैं। ऑल पीपल्स चर्च की वर्तमान सूची और सम्पर्क सूचना के लिए कृपया हमारे वेबसाईट को भेंट दें : **www.apcwo.org/locations** या इस पते पर ई-मेल भेजें : contact@apcwo.org

क्या आप उस परमेश्वर को जानत हैं जो आपसे प्रेम करता है?

दो हज़ार साल पहले, परमेश्वर इस संसार में मनुष्य बनकर आया। उसका नाम यीशु है। उसने पूर्ण रूप से निश्पाप जीवन बिताया। यीशु देहधारी परमेश्वर था, इसलिए जो कुछ उसने कहा और किया, उसके द्वारा उसने परमेश्वर को हम पर प्रगट किया। जिन वचनों को उसने कहा, वे परमेश्वर के वचन थे। जिन कामों को उसने किया, परमेश्वर के कार्य थे। यीशु ने इस पृथ्वी पर कई सामर्थ के काम किए। उसने बीमारों को और पीड़ितों को चंगा किया। उसने अन्धों की आंखें खोलीं, बहरे कानों को खोल दिया, लंगड़े चलने लगे। उसने हर प्रकार के रोगों और बीमारियों को चंगा किया। उसने आश्चर्यजनक रूप से कुछ ही रोटियां बहुगुणित कर भूखों को खिलायी, आंधी को थामा और कई आश्चर्यकर्म किए।

ये सारे कार्य हमें दिखाते हैं कि यीशु अच्छा परमेश्वर है, जो चाहता है कि उसके लोग भले, चंगे स्वस्थ और खुश रहें। परमेश्वर लोगों की ज़रूरतों को पूरा करना चाहता है।

फिर परमेश्वर ने क्यों मनुष्य बनने का और हमारे संसार में आने का निर्णय लिया? यीशु क्यों आया?

हम सबने पाप किया है और ऐसे कामों को किया है जो हमें उत्पन्न करने वाले परमेश्वर के सम्मुख अस्वीकारणीय हैं। पाप के परिणाम हैं। पाप परमेश्वर और हमारे बीच एक ऊंची दीवार है जिसे हम लांघ नहीं सकते। पाप हमें परमेश्वर से अलग करता है। वह हमें उस परमेश्वर को जानने और उसके साथ, जिसने हमें बनाया है, अर्थपूर्ण रिश्ता बनाए रखने से रोकता है। इसलिए, हम में से कई लोग अन्य बातों का सहारा लेकर इस खालीपन को भरने की कोशिश करते हैं।

हमारे पापों का अन्य परिणाम है। परमेश्वर से अनंतकाल तक अलगाव। परमेश्वर की अदालत में, पाप का दण्ड मृत्यु है। मृत्यु परमेश्वर से दूर नर्क में अनंतकाल का अलगाव है।

परंतु सुसमाचार यह है कि हम पाप से मुक्ति पाकर परमेश्वर से फिर मेल कर सकते हैं। बाइबल कहती है, **क्योंकि पाप की मजदूरी तो मृत्यु है, परन्तु परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु मसीह यीशु में अनन्त जीवन है। (रोमियों 6:23)।** यीशु ने सम्पूर्ण जगत के पापों का दण्ड सहा, वह क्रूस पर मर गया। फिर तीसरे दिन वह जी उठा, और उसने कइयों को खुद को जीवित दिखाया और वह स्वर्ग पर चढ़ गया।

परमेश्वर प्रेमी और दयालु है। वह नहीं चाहता कि हममें से कोई व्यक्ति नर्क में नाश हो। और इसलिए वह सम्पूर्ण मानवजाति को पापों और उसके परिणामों से मुक्ति का मार्ग

दिखाने के लिए आया। वह पापियों को बचाने के लिए आया - आपके और मेरे जैसे लोगों को पाप और अनंतकाल की मृत्यु से बचाने के लिए।

पापों की यह विनामूल्य क्षमा पाने के लिए बाइबल हमें बताती है कि हमें केवल एक काम करना है - जो कुछ प्रभु यीशु मसीह ने क्रूस पर किया उसे ग्रहण करना और उस पर सम्पूर्ण हृदय से विश्वास करना।

जो कोई उस पर विश्वास करेगा, उसको उसके नाम के द्वारा पापों की क्षमा मिलेगी (प्रे.काम 10:43)।

कि यदि तू अपने मुंह से यीशु को प्रभु जानकर अंगीकार करे और अपने मन से विश्वास करे कि परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया, तो तू निश्चय उद्धार पाएगा (रोमियों 10:9)।

यदि आप प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करेंगे, तो आप भी पापों की क्षमा और शुद्धता पा सकते हैं।

प्रभु यीशु मसीह में और जो कुछ उसने आपके लिए क्रूस पर किया उस पर विश्वास करने हेतु निर्णय लेने में आपकी सहायता करने के लिए यहां एक सरल प्रार्थना दी गई है। इस प्रार्थना की सहायता से आप जो कुछ यीशु ने आपके लिए किया, उसे ग्रहण कर सकते हैं और क्षमा और पापों से शुद्धी पा सकते हैं। यह प्रार्थना मात्र मार्गदर्शन के लिए है। आप अपन शब्दों में भी प्रार्थना कर सकते हैं।

प्रिय प्रभु यीशु, जो कुछ आपने क्रूस पर किया उसे मैंने आज समझा है। आप मेरे लिए मर गए, आपने मेरे लिए बहुमूल्य लोहू बहाया और मेरे पापों का दण्ड चुकाया, ताकि मुझे क्षमा मिल सके। बाइबल बताती है कि जो कोई आप पर विश्वास करेगा वह अपने पापों से क्षमा पाएगा।

आज, मैं आप में विश्वास करने का और क्रूस पर मेरे लिए मरकर और फिर मरे हुओं में से जी उठकर जो कुछ आपने मेरे लिए किया उसे ग्रहण करने का निर्णय लेता हूं। मैं जानता हूं कि मैं अपने भले कामों से खुद को बचा नहीं सकता, न ही और कोई मनुष्य मुझे बचा सकता है। मैं अपने पापों की क्षमा मोल नहीं ले सकता।

आज, मैं अपने हृदय में विश्वास करता हूं और अपने मुंह से कहता हूं कि आप मेरे लिए मर गए, आपने मेरे पापों का दण्ड चुकता किया। आप फिर मरे हुओं में से जी उठे, और आपमें विश्वास करने के द्वारा, मैं पापों की क्षमा और मेरे पापों से शुद्धता पा सकता हूं।

धन्यवाद यीशु। आपसे प्रेम करने, आपको अधिकाई से जानने और आपके प्रति विश्वासयोग्य रहने में मेरी सहायता कीजिए। आमीन।

विनामूल्य ऐप डाऊनलोड करें

ऐप में या गुगल प्ले स्टोर में
“ऑल पीपल्स चर्च, बैंगलोर” ढूंढ़ें।

Available on the App Store

ANDROID APP ON Google play

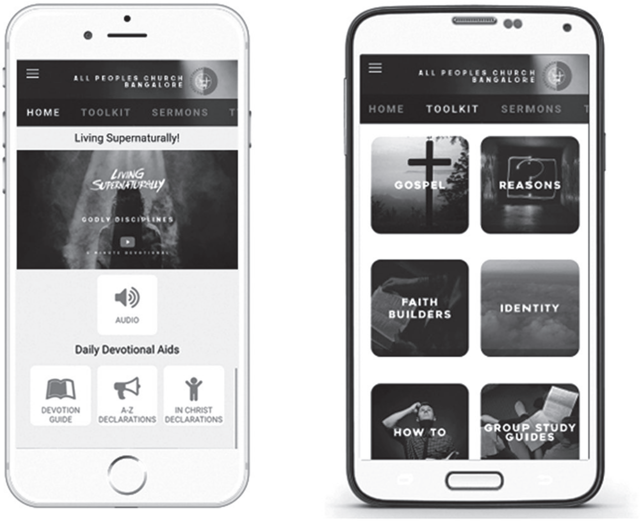

प्रतिदिन 5 मिनिट की वीडिओ के माध्यम से आराधना
प्रतिदिन बाइबल वाचन और प्रेयर गाईड
5 मिनिटों का उपदेश का सारांश
विश्व में उन्नति के लिए विभिन्न विषयों पर पवित्र शास्त्र की टूल किट तथा सुसमाचार सुनाने हेतु जानकारी
उपदेश, उपदेश की टिप्पणियों, टी. वी. कार्यक्रम, पुस्तकें, संगीत, और बहुत कुछ।

यदि यह आपको पसंद आता है, तो दूसरों को बताएं।